राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 83
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शनिवार 21 फरवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक जाएगी ग्रेनो की बस
पेज 4 जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न
पेज 6 आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

संक्षिप्त खबरें

करेले की सब्जी बनाने पर बेटे ने मां की हत्या की

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में करेले की सब्जी बनाने से नाराज एक शख्स ने अपनी 65 साल की मां की हत्या कर दी। पीड़ित की पहचान सुमित्रा पेटकुले (65) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी जगदीश पेटकुले (37) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक जगदीश शराब का आदी था। उसकी पत्नी दो महीने पहले घर छोड़कर चली गई थी जिसके बाद से वह अपनी मां के साथ रह रहा था। घटना वाली रात, वह नशे में घर लौटा और करेला पकाने को लेकर अपनी मां से बहस करने लगा। फिर उनकी हत्या कर दी।

कर्नाटक में मेडिकल स्टूडेंट ने प्रोफेसर को पीटा

बेंगलुरु। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के डॉ. मलाकरेड्डी होम्योपैथिक कॉलेज में एग्जाम के दौरान चीटिंग करने से रोके जाने पर स्टूडेंट ने प्रोफेसर की पिटाई कर दी। घटना इंटरनल एग्जाम के दौरान घटी, जिसका वीडियो क्लासरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में दिखा कि असिस्टेंट प्रोफेसर शिवराजकुमार परीक्षा निरीक्षक के तौर पर छात्रों की निगरानी कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें शाहबाज नाम का एक स्टूडेंट फोन से नकल करते हुए दिखा। प्रोफेसर स्टूडेंट के पास गए और उससे आंसर शीट मांगा। इस दौरान स्टूडेंट भड़क गया। पहले तो वह आंसर शीट देने को तैयार नहीं था। थोड़ी देर बहस के बाद उसने अपनी कॉपी दे दी।

ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों पर 10 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाया

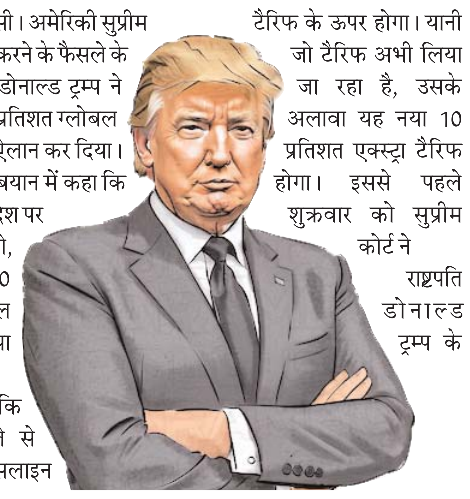

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ रद्द करने के फैसले के 3 घंटे के अंदर डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनियाभर पर 10 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया।

उन्होंने अपने बयान में कहा कि वह आज एक आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके तहत 10 प्रतिशत का ग्लोबल टैरिफ लगाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह टैरिफ पहले से लगाए जा रहे बेसलाइन टैरिफ के ऊपर होगा। यानी जो टैरिफ अभी लिया जा रहा है, उसके अलावा यह नया 10 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ होगा। इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान के तहत टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को नहीं, सिर्फ संसद को है।

कहा- जज देश के लिए कलंक हैं; 3 घंटे पहले सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ रद्द किए थे

ट्रम्प ने इसकी आलोचना करते हुए कहा- यह बहुत निराशाजनक है। मुझे कोर्ट के कुछ जजों पर शर्म आ रही है। वे देश के लिए कलंक हैं, उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है।

भारत के साथ ट्रेड डील पर ट्रम्प ने कहा कि, इस डील में कोई बदलाव नहीं होगा। पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं।

ट्रम्प बोले- जजों में सही काम करने की हिम्मत नहीं

ट्रम्प ने कहा कि जज 'कट्टर वामपंथियों के पालतू' हैं। वे देशभक्ति नहीं दिखा रहे हैं और संविधान के प्रति वफादार भी नहीं हैं। जज कुछ लोगों से डरते हैं इसलिए सही फैसला लेना नहीं चाहते।

ट्रम्प ने इस फैसले को बहुत निराशाजनक बताया और कहा, मुझे अदालत के कुछ लोगों पर शर्म आती है। बिल्कुल शर्म आती है कि उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है।

उन्होंने उन तीन कंजरवेटिव जजों की तारीफ की, जिन्होंने इस फैसले से असहमति जताई थी। जिन जजों ने टैरिफ को रद्द किया, उनकी आलोचना करते हुए ट्रम्प ने कहा, वे हर उस चीज के खिलाफ हैं जो अमेरिका को मजबूत और फिर से महान बनाती है। वे हमारे देश के लिए शर्म की बात हैं। वे हर बार 'ना' कहने वाले जज हैं।

गुजरात में शादी के लिए माता-पिता की मंजूरी जरूरी

आवेदन करते ही पैरेंट्स को व्हाट्सएप पर जानकारी मिलेगी, 40 दिन बाद मिलेगा प्रमाण-पत्र

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने विधानसभा में विवाह पंजीकरण नियमों में संशोधन का ड्राफ्ट पेश किया है। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, अब लव-मैरिज के लिए आवेदन करने पर लड़के-लड़की के माता-पिता को व्हाट्सएप के जरिए सूचित किया जाएगा और आवेदन के 40वें दिन शादी का प्रमाण-पत्र मिलेगा। डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि हमें प्रेम विवाह से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर कोई सलीम सुरेश बनकर हमारी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाए, तो हम उसे नहीं छोड़ेंगे।

संघवी ने कहा कि राज्य में एक ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जिससे माता-पिता की अनुमति से विवाह करने वालों को और प्रेम विवाह में अपनी झूठी पहचान न दिखाने वालों को कोई परेशानी न हो।

प. बंगाल : हर सीट पर औसतन 19000 नाम हटे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दो-तीन माह ही बचे हैं। यहां अभी भाषण और रैलियों का शोर नहीं है। लेकिन, सियासत भरपूर गर्म है। कोलकाता के न्यू मार्केट से चांदनी चौक, न्यू टाउन से जेसप बिल्डिंग और मुर्शिदाबाद के बेलडांगा से बर्द्धमान तक करीब 600 किमी के सफर में साफ हो गया कि अभी वोटर लिस्ट ही चुनावी रणभूमि बनी हुई है। कोलकाता के एक वरिष्ठ पत्रकार कहते हैं कि ममता बनर्जी ने एसआईआर की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट ले जाकर अपनी जुझारू छवि फिर हाईलाइट की है। टीएमसी उनके सुप्रीम कोर्ट के वीडियो वायरल कर रही है। जगह-जगह ममता की काले कोट में होर्डिंग लगे हैं। भाजपा एसआईआर को घुसपैठियों के खिलाफ लड़ाई बता रही थी।

राजस्थान में बोलेरो-बाइक टकराए, 4 की मौत

मंदसौर। राजस्थान के झालावाड़ में बोलेरो और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई। इनमें एमपी के मंदसौर के तीन लोग शामिल हैं। बाइक सवार चारों लोग राजस्थान से मध्य प्रदेश आ रहे थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को चौमहला अस्पताल में मॉर्च्युरी में रखवाया। बैग में मिले आधार कार्ड से 3 व्यक्तियों की पहचान हुई है, जो मंदसौर के रहने वाले थे। दस्तावेज नहीं मिलने के कारण एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। हादसा शुक्रवार देर शाम करीब 7: 30 बजे गंगधार थाना क्षेत्र में हुआ। डीएसपी हेमंत गौतम ने बताया- डग-चौमहला रोड पर करनपुरा गांव के पास बोलेरो और बाइक में भिड़ंत हो गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई।

बंगाल सरकार और चुनाव आयोग में भरोसे की कमी

कलकत्ता हाईकोर्ट को निर्देश- एसआईआर के लिए न्यायिक अधिकारी तैनात करें

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच जारी विवाद पर 'असाधारण' निर्देश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल को इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जज को तैनात करने को कहा।

कोर्ट ने कहा कि सरकार और आयोग के बीच विश्वास की कमी है। एसआईआर ड्राफ्ट रोल से जुड़े दावे और आपत्तियों का निपटारा और निगरानी हाईकोर्ट की ओर से अपॉइंट अफसर और जज करेंगे।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के आदेश अदालत के आदेश माने जाएंगे। कलेक्टर और एसपी को इन आदेशों का पालन कराना होगा।

साथ ही चुनाव आयोग को 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने की परमिशन दी गई है। हालांकि, जरूरत पड़ने पर बाद में सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की भी छूट दी गई है।

भारत- अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर राहुल गांधी ने बोला हमला

बोले- डाटा उपनिवेश बनने जा रहा भारत

नई दिल्ली। भारत- अमेरिका के अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोला है। राहुल ने दावा किया कि इस समझौते के साथ भारत डाटा उपनिवेश बनने जा रहा है।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर वीडियो पोस्ट कर संसद में अपने हालिया भाषण का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने जिउ-जित्सु का

उदाहरण दिया था। जिउ-जित्सु जापान की सैन्य कला (मार्शल आर्ट) है। यह हथियार के बिना शत्रु को पराजित करने की विद्या है।

राहुल गांधी ने पोस्ट किया, व्यापार समझौते पर संसद में अपने भाषण में मैंने जिउ-जित्सु का उदाहरण क्यों इस्तेमाल किया? अमेरिकियों को खुश करने के लिए हमारे किसानों की कुर्बानी क्यों दी गई?

अमेरिका को हमारे तेल आयात तय करने देकर भारत की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता क्यों किया गया?

आगे कहा कि मैंने क्यों कहा कि यह समझौता भारत को डाटा उपनिवेश बना सकता है? मोदी जी ऐसा समझौता क्यों मानेंगे, जिसमें भारत इतना कुछ दे रहा और बदले में बहुत कम मिलता दिख रहा है?

इस शर्मनाक आत्मसमर्पण का जवाब प्रधानमंत्री पर डाले गए ग्रिप्स और चोक्स में छिपा है।

राहुल ने कहा, मैंने ग्रिप और चोक्स का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि ये जिउ-जित्सु में प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रित करने का यही तरीका है। लेकिन यह राजनीति में भी मौजूद हैं। राजनीति के अपने अनुभव में मैंने देखा है कि राजनीतिक ग्रिप और चोक्स ज्यादातर छिपे रहते हैं।

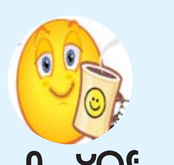

हैप्पी मॉर्निंग

चार दोस्त होटल में खाना खाने के बाद बिल देने को लेकर आपस में उलझ पड़े... आखिर में तय हुआ कि जो होटल का चक्कर लगाकर सबसे पहले आएगा, वो बिल देगा। मैनेजर ने सीटी बजाई, चारों भाग पड़े... 10 दिन हो गए, बेचारा मैनेजर आज भी उनके आने का इंतजार कर रहा है...!

शायरी

वजूद-ए-ज़न से है तस्वीर-ए-काएनात में रंग
इसी के साज़ से है ज़िंदगी का सोज़-ए-दरूँ

अर्थसार

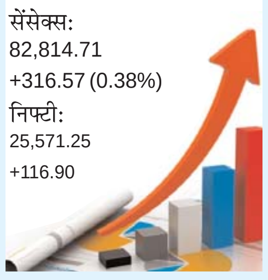

सेंसेक्स:
82,814.71
+316.57 (0.38%)
निफ्टी:
25,571.25
+116.90

मौसम

अधिकतम : 27 डिग्री से0
न्यूनतम : 13 डिग्री से0
सूर्योदय रविवार : 6 : 53
सूर्यास्त शनिवार : 6 : 15

जबलपुर के पास आरती-अजान के विवाद में बवाल

मंदिर से घसीटकर पीटने के आरोप, पथराव के बाद 49 गिरफ्तार, कर्फ्यू जैसे हालात

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर से करीब 40 किमी दूर सिहोरा तहसील में गुरुवार रात दुर्गा मंदिर और मस्जिद के बीच आरती-अजान को लेकर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पथराव और मारपीट के बाद इलाके में कर्फ्यू जैसे हालात हैं।

भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और अब तक 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, मंदिर में आरती और मस्जिद में अजान एक ही समय पर हो रही थी।

इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और मामला झड़प तक पहुंच गया। आरोप है कि मस्जिद से 50-70 युवकों की भीड़ बाहर आई और विवाद बढ़ गया।

मंदिर में तोड़फोड़ और मारपीट के आरोप

दुर्गा मंदिर समिति के सदस्य अंकेश गुप्ता ने आरोप लगाया कि भीड़ ने मंदिर में घुसने की कोशिश की और उन्हें अंदर से घसीटकर बाहर निकाला गया।

उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद 20-25 मिनट तक पथराव चलता रहा, जिसमें मंदिर के कांच टूट गए और कई लोग घायल हुए।

भारत मंडपम : एआई समिट में यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन

मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए; भाजपा बोली- राहुल के घर पर प्लानिंग हुई

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए।

प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उसपर लिखा है- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

दिल्ली पुलिस ने 4 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान इंडियन यूथ कांग्रेस के सेक्रेटरी कृष्णा हरि, बिहार स्टेट सेक्रेटरी कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश स्टेट वाइस प्रसिडेंट अजय कुमार और नेशनल कोऑर्डिनेटर नरसिम्हा यादव के रूप में हुई है।

वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं।

ईडी ने 9-महीने में 32000 करोड़ की संपत्ति अटैच की

यह गृह मंत्रालय के एक साल के बजट के बराबर; जमीन-जायदाद में 8 गुना जब्ती

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस वित्त वर्ष के पहले 9 महीने में ही 32,500 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच कर चुकी है।

मोदी सरकार के दस साल का रिकॉर्ड देखें तो अटैच की गई जमीन-जायदाद में 8 गुना से अधिक बढ़ोतरी हो चुकी है।

इस साल सबसे बड़ी गाज अनिल अंबानी समूह पर गिरी है, जिसकी 5600 करोड़ रु की संपत्ति अटैच हुई है। इसके अलावा क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड में 4190 करोड़ रु., पर्ल ग्रुप पोंजी के 3436 करोड़ रु. और यूनाइटेड रियल एस्टेट के 1000 करोड़ रु. की संपत्तियां भी दायरे में आई हैं।

पिछले साल की तुलना में इस बार 141 प्रतिशत अधिक संपत्ति अटैच की गई है।

एजेंसी कुल मिलाकर अब तक 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच कर चुकी है, जो एक साल के गृह मंत्रालय के बजट के बराबर है। इसमें बैंक खाते, एफडी, शेयर, वाहन, लग्जरी आइटम, कॉर्पोरेट प्रॉपर्टी और इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो शामिल हैं।

विरोध प्रदर्शन

पटना में बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान आरजेडी विधायक राबड़ी देवी (बीच में) और अन्य विधायकों ने विभिन्न मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन किया।

यौन शोषण — बच्चों का यौन शोषण करके वीडियो बनाकर बेचता था; जज बोले- मरते दम तक फंदे पर लटकाओ

यूपी के इंजीनियर और उसकी पत्नी को फांसी होगी

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा कोर्ट ने शुक्रवार को बच्चों का यौन शोषण करने वाले पति-पत्नी को फांसी की सजा सुनाई। ये दोनों बच्चों का यौन शोषण करते थे और अश्लील वीडियो-फोटो बनाकर डार्क वेब के जरिए विदेशों में बेचते थे।

फैसला देते समय पॉक्सो कोर्ट के जज प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा- दोनों पति-पत्नी को मरते दम तक फंदे पर लटकाए रखा जाए। इससे पहले कोर्ट ने 18 फरवरी को दोनों को दोषी ठहराया था।

पति रामभवन सिंचाई विभाग का इंजीनियर था, जबकि पत्नी दुर्गावती हाउस वाइफ थी। सीबीआई ने

रामभवन को 18 नवंबर, 2020 को अरेस्ट किया था। वहीं, दुर्गावती को गवाहों पर दबाव डालकर समझौता कराने का दोषी पाया गया था।

पति-पत्नी ने 50 से ज्यादा बच्चों का यौन शोषण किया

बांदा का रहने वाला रामभवन (55) चित्रकूट में सिंचाई विभाग में जेई के पद पर तैनात था। वह चित्रकूट की एसडीएम कॉलोनी में पत्नी दुर्गावती (50) के साथ रहता था। दोनों के कोई संतान नहीं थी। रामभवन अपनी पत्नी के साथ मिलकर गरीब घरों के बच्चों को लालच देकर अपने जाल में फंसाता था।

दोनों मिलकर नाबालिगों का कुकर्म करते थे। बच्चों की उम्र 5 से 16 साल के बीच होती थी। बच्चों के साथ पत्नी संबंध बनाती थी, जबकि रामभवन उनसे कुकर्म करता था। इतना ही नहीं, दोनों लैपटॉप के कैमरे के जरिए बच्चों के अश्लील वीडियो भी बना लेते थे।

इस दौरान अगर कोई बच्चा विरोध करता था, तो पति-पत्नी उसे मारते-पीटते थे। चिल्लाने पर उनका मुंह दबा देते थे। फिर पैसे या खिलौने, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट देने का लालच देकर उसकी जुबान बंद करा देते थे।

एक बच्चे ने बताया था कि रामभवन मोबाइल फोन में गेम खेलने और यूट्यूब पर वीडियो दिखाने का लालच देकर अपने घर बुलाता था। पति-पत्नी कभी बांदा में किराए का मकान लेकर, तो कभी चित्रकूट में गंदा काम करते थे। इस दौरान पति-पत्नी ने 50 से ज्यादा बच्चों का यौन शोषण किया। इसकी शिकायत मिलने पर 31 अक्टूबर, 2020 को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रामभवन के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोप था कि वह बच्चों के अश्लील वीडियो/फोटो बनाकर डार्क वेब के जरिए अंतरराष्ट्रीय पेडोफाइल नेटवर्क तक पहुंचाता था। इसके बाद 17 नवंबर 2020 को सीबीआई ने रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को गिरफ्तार कर लिया था।

संपादकीय

गलगोटिया ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कराई फजीहत

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

हाल ही में गलगोटियास यूनिवर्सिटी एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार कारण कोई शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐसा विवाद है जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्थान और देश की छवि को प्रभावित किया है। सोशल मीडिया के इस दौर में, जहाँ सूचनाएँ पलक झपकते ही दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँच जाती हैं, गलगोटियास यूनिवर्सिटी से जुड़े एक घटनाक्रम ने 'इंटरनेशनल फजीहत' का रूप ले लिया।

विवाद की जड़ : एक विरोध प्रदर्शन और 'अधूरी तैयारी'

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब विश्वविद्यालय के छात्रों और प्रबंधन से जुड़े कुछ लोग दिल्ली की सड़कों पर एक राजनीतिक मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन करने उतरे। लोकतंत्र में विरोध करना सबका अधिकार है, लेकिन समस्या तब खड़ी हुई जब प्रदर्शन कर रहे छात्रों और खुद विश्वविद्यालय के सीईओ से कुछ बुनियादी सवाल पूछे गए।

जब कैमरों के सामने प्रदर्शनकारियों से उनके विरोध का कारण या तख्तियों पर लिखे नारों का अर्थ पूछा गया, तो कई छात्र निरुत्तर नजर आए। यहाँ तक कि नेतृत्व कर रहे कुछ जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी विषय की गहराई को समझाने में विफल रहे। यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, दुनिया भर के नेटिजन्स ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था और विशेष रूप से गलगोटियास यूनिवर्सिटी की गुणवत्ता पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर आलोचना क्यों?

गलगोटियास जैसे संस्थान खुद को 'ग्लोबल यूनिवर्सिटी' के रूप में प्रचारित करते हैं। जब ऐसे संस्थान के प्रतिनिधि सार्वजनिक मंच पर बिना तथ्यों की जानकारी के प्रदर्शन करते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया और शिक्षाविदों के बीच एक नकारात्मक संदेश जाता है।

बौद्धिक स्तर पर सवाल : विदेशी विश्वविद्यालयों और छात्रों ने इस घटना को भारत के 'प्राइवेट एजुकेशन सेक्टर' की खोखली होती बुनियाद के रूप में देखा।

मीम्स और उपहास : एक्स (ट्विटर) और रेडिट जैसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स पर 'गलगोटियास' शब्द एक मज़ाक बन गया। विदेशी यूजर्स ने इसे 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' के जीवंत उदाहरण के रूप में पेश किया।

संस्थान की विश्वसनीयता : जब एक संस्थान अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा हो, तब ऐसी घटनाएं उसके 'ब्रांड वैल्यू' को भारी नुकसान पहुँचाती हैं।

शिक्षा बनाम राजनीति

इस घटना ने एक गंभीर बहस को जन्म दिया है- क्या शिक्षण संस्थानों को राजनीति का अखाड़ा बनना चाहिए? एक विश्वविद्यालय का प्राथमिक कार्य छात्रों में तार्किक क्षमता (Critical Thinking) विकसित करना है। यदि छात्र बिना सोचे-समझे या बिना विषय को समझे केवल भीड़ का हिस्सा बन रहे हैं, तो यह उस संस्थान की शैक्षणिक विफलता है।

गलगोटियास यूनिवर्सिटी के इस प्रकरण ने यह दिखाया कि जब शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री बांटना और मार्केटिंग करना रह जाता है, तो छात्रों में उस विवेक की कमी हो जाती है जो एक जागरूक नागरिक के लिए आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान अपनी मेधा और बुद्धिजीवियों के लिए है, लेकिन ऐसी घटनाएं उस गरिमा को ठेस पहुँचाती हैं।

निष्कर्ष

गलगोटियास यूनिवर्सिटी की इस फजीहत से सभी निजी शिक्षण संस्थानों को सबक लेने की जरूरत है। ब्रांडिंग और विज्ञापनों पर करोड़ों खर्च करने से बेहतर है कि छात्रों के बौद्धिक विकास और जागरूकता पर ध्यान दिया जाए। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान नारों से नहीं, बल्कि ज्ञान और तर्क की शक्ति से मिलता है।

विश्वविद्यालय को अब अपनी छवि सुधारने के लिए न केवल स्पष्टीकरण देना होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके छात्र भविष्य में अपनी मेधा से देश का नाम रोशन करें, न कि अधूरी जानकारी के कारण उपहास का पात्र बनें।

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें 'बलात्कार के प्रयास' की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुन: पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है।

दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है।

जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके।

ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी, 2026

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग-

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़ है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं।

इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है।

निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है।

हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है- रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं।

डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज़ जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3807

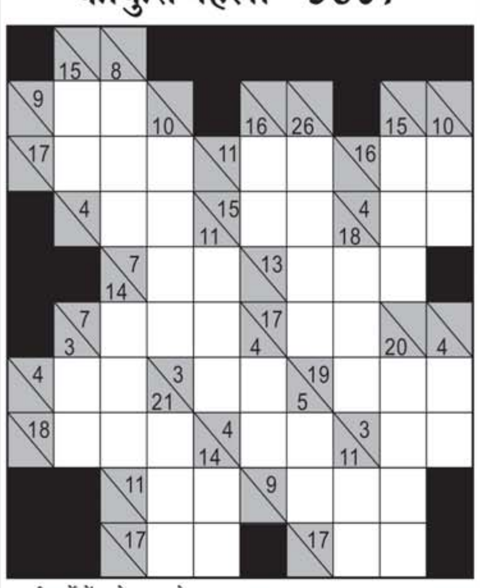

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3806 का हल

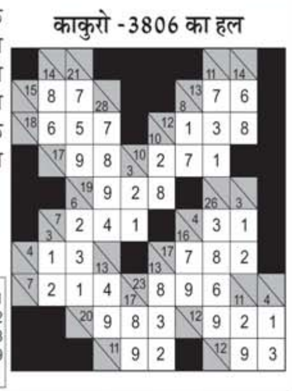

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 3807

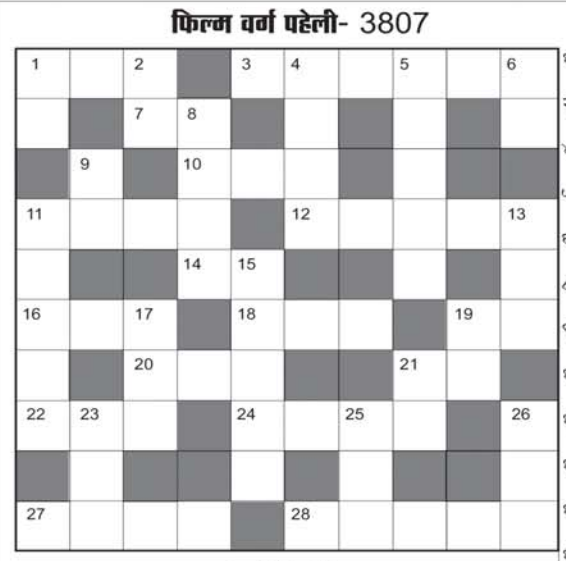

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3806

सूडोकु -3807

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3806 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 3807

बाएँ से दाएँ

1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक. चिताकर्षक-5
2. वैक्स, मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चहा-2
39. याचिका, वाद (अंग्रेजी-2)
40. बहम, संदेह-2

शब्द पहेली -3806 का हल

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक जाएगी ग्रेनो की बस

15 ई बस चलाई जाएंगी , 4 रूट फाइनल, 50 हजार लोगों को होगा फायदा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में चार रास्तों पर 15 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों को चलाया जाएगा। प्राधिकरण ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। बसों का संचालन उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा किया जाएगा। प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी के मुताबिक इस संबंध में परिवहन विभाग के अधिकारियों से बातचीत हो गई है। प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेज दिया गया है।

50 हजार से ज्यादा लोगों को फायदा

ई-बसों के संचालन में होने वाले घाटे की भरपाई प्राधिकरण करेगा। तय किए गए चार रास्तों पर बसें चलने से ग्रेटर नोएडा के अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, पी-3 आदि आवासीय सेक्टरों में रहने वाले लोगों को फायदा मिलेगा। इन रास्तों पर प्राधिकरण, पुलिस व जिला प्रशासन के दफ्तर भी हैं। ग्रेटर नोएडा ईस्ट व वेस्ट के बीच भी सफर करना आसान हो जाएगा। अभी इनके बीच सार्वजनिक परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं है।

इन रूटों पर चलेंगी बस

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौड़ सिटी-1 व 2 के बीच से चार मूर्ति चौक, 130 मीटर चौड़ी सड़क, प्राधिकरण गोलचक्कर, सिटी पार्क, अल्फा-1,2 कमर्शियल बेल्ट, परीचौक व यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर। गौड़ सौंदर्यम सोसाइटी ग्रेटर नोएडा वेस्ट से चार मूर्ति, 60 मीटर चौड़ी सड़क, बिसरख, कच्ची सड़क, सूरजपुर घंटाघर चौक, कलेक्ट्रेट, एलजी चौक, जगत फार्म, परी चौक, पी-3, यथार्थ अस्पताल, अपोलो, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय से होते हुए नोएडा एयरपोर्ट।छपरौला फ्लाईओवर से 130 मीटर सड़क, सिरसा गोलचक्कर, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय होते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट।ग्रेटर नोएडा के मकौड़ा गोलचक्कर से बीटा-1, 2, जगत फार्म, एलजी चौक, शारदा विश्वविद्यालय, इंडिया एक्सपो मार्ट, नोएडा- ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के गलगोटिया अंडरपास से होते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट।

चारों रूट एयरपोर्ट को जोड़ेंगे

ग्रेटर नोएडा के चारों रूट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को जोड़ेंगे। जिससे ग्रेनो के लोगों का एयरपोर्ट तक पहुंचना आसान होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट से उनको फायदा होगा। बता दे बस मेट्रो या आरआरटीएस बनने में अभी समय लगेगा। ऐसे में ये बस रूट काफी अहम माने जा रहे है।

ग्रेटर नोएडा रेस्टोरेंट में सिलेंडर लीक, चार झुलसे

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 थाना क्षेत्र स्थित कोको काउंटी मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर बने नागपाल रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। इस हादसे में रेस्टोरेंट के चार कर्मचारी झुलस गए। शुक्रवार को हुए इस हादसे के बाद रेस्टोरेंट में अफरा-तफरी मच गई और एक धमाका भी हुआ। आग लगने के तुरंत बाद रेस्टोरेंट कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए बिल्डिंग में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर आग पर काबू पा लिया। सिलेंडर लीक होने के बाद किसी तेज धमाका हुआ कि रेस्टोरेंट पर लगा हुआ कांच भी टूट गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग बुझाई जा चुकी थी। जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि गैस सिलेंडर लीक होने से आग लगी थी, जिसे बिल्डिंग के फायर फाइटिंग सिस्टम से बुझाया गया। स्थानीय पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों घायल कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा। अधिकारी ने बताया कि कर्मचारी मामूली रूप से झुलसे हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निक्की भाटी हत्याकांड, विपिन भाटी की जमानत खारिज

21 अगस्त को निक्की की जलाकर की थी हत्या, तीन को मिल चुकी जमानत

एजेंसी

नोएडा। सिरसा गांव में निक्की हत्याकांड मामले में आरोपी पति विपिन भाटी की जमानत याचिका शुक्रवार को जिला अदालत ने खारिज कर दी।

निक्की भाटी के परिवार के वकील दिनेश कलसन और उधम सिंह तोंगड़ ने बताया कि 21 अगस्त 2025 की शाम पारिवारिक विवाद के दौरान आरोपी पति विपिन भाटी ने निक्की पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी थी। इलाज के दौरान निक्की की मौत हो गई थी।

आरोप है कि विपिन ने थिनर (ज्वलनशील पदार्थ) डालकर निक्की की जलाकर हत्या की थी। इस मामले पुलिस मृतका की बहन कंचन ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

परिजन ने आरोप लगाया था कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने के साथ सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर ब्यूटी पार्लर का प्रचार करने पर निक्की और उसकी बहन को प्रताड़ित किया जाता था।

जमानत पर सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष के वकील की ओर से कहा गया कि आरोपी को जबरन फंसाया गया है।

वहीं निक्की भाटी के परिवार के वकील ने कहा कि आरोपी ने साजिश के तहत हत्या को अंजाम दिया है।

आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। आरोपी के पास से ज्वलनशील पदार्थ भी बरामद हुआ था।

अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। बता दे इस मामले में विपिन के अलावा सांस, जेठ और ससुर को जमानत मिल चुकी है।

हर्ष फायरिंग में वेटर को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में एक सगाई समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में वेटर को गोली मारने वाले आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल की गई अवैध पिस्टल और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। इस घटना में 18 वर्षीय वेटर पुष्पेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया था।

यह घटना बीते 18 फरवरी को हुई थी। बिसरख पुलिस को एक निजी अस्पताल से सूचना मिली थी कि गाजियाबाद के लाल कुआं निवासी 18 वर्षीय पुष्पेंद्र को गोली लगने के कारण भर्ती कराया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि सगाई समारोह में खुशी मनाने के लिए अवैध हथियार से फायरिंग की गई थी।

जांच में पता चला कि सगाई समारोह में कुछ लोग शराब पी रहे थे और उन्होंने वेटर पुष्पेंद्र से फोटो खींचने को कहा।

वेटर के मना करने पर आरोपी ने हर्ष फायरिंग कर दी, जिससे गोली सीधे पुष्पेंद्र को लगी और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।

बीटेक छात्र ने 20वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

सुसाइड नोट नहीं मिला, फोन घर पर छोड़कर आया था

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में बीटेक के एक छात्र ने पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसाइटी की 20वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बागपत निवासी अर्जुन तोमर (23) के रूप में हुई है, जो मंगलमय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस कॉलेज में बीटेक अंतिम वर्ष का छात्र था। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे हुई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर परिजनों को सूचित किया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है और परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि युवक सोसाइटी के स्टूडियो अपार्टमेंट में बिना सुरक्षा जांच के कैसे पहुंचा। सोसाइटी के गार्डों से पूछताछ की जा रही है, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और सोसाइटी प्रबंधन से भी जानकारी ली जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, अर्जुन अपनी बाइक से सोसाइटी टॉवर पहुंचा था। उसने बाइक नीचे खड़ी की और लिफ्ट से 21वीं मंजिल पर गया। वहां से सीढ़ियों के रास्ते 20वीं मंजिल पर आकर छलांग लगा दी। लिफ्ट में मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि वह परेशान लग रहा था।

अर्जुन के पिता हरेंद्र सिंह सूरजपुर स्थित साइट-सी के पास एक केमिकल फैक्ट्री में कार्यरत हैं और परिवार के साथ कोतवाली क्षेत्र में रहते हैं। उनका गामा सेक्टर में भी एक मकान है। अर्जुन का एक छोटा भाई भी है। युवक अपना फोन घर पर छोड़कर आया था, और उसकी जेब से एक पर्ची मिली जिस पर पिता का नंबर लिखा था।

वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजन की तहरीर के आधार पर आधार पर जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

लड़की के बाल पकड़कर घसीटा था, गाड़ी हटाने को लेकर हुआ था विवाद

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की बिसरख पुलिस ने मारपीट मामले में फरार चल रहे आरोपी फिरोज को गिरफ्तार कर लिया है। फिरोज गाजियाबाद के डासना का निवासी है और उसे चार मूर्ति के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया एक बेसबॉल बैट भी बरामद किया है।

घटना 14 फरवरी की रात की है। आयुष और वेदांत अपनी बहन और उसकी दोस्त के साथ आम्रपाली लेजर वैली सोसायटी से क्रेटा गाड़ी में जा रहे थे। रास्ते में शाहरुख, फिरोज और अजीम ने अपनी गाड़ी खड़ी कर रखी थी। आयुष ने हॉर्न बजाया, लेकिन उन्होंने गाड़ी नहीं हटाई।

काफी देर तक हॉर्न बजाने के बाद भी जब गाड़ी नहीं हटी, तो उनके बीच कुछ विवाद हुआ। आयुष और वेदांत अपनी गाड़ी लेकर आगे बढ़ गए, लेकिन आरोपियों ने उनका पीछा किया। उन्होंने आयुष और वेदांत की गाड़ी को रोककर उनके साथ-साथ दोनों लड़कियों के साथ भी जमकर मारपीट की।

इस दौरान एक लड़की को बालों से पकड़कर सड़क पर भी पटक दिया गया। आरोपियों ने बेसबॉल बैट और लाठी-डंडों से गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। मारपीट के बाद आरोपी पीड़ितों को अधमरी हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए।

इस घटना के बाद कई हिंदू और जाट संगठन आगे आए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर 15 फरवरी को शाहरुख और अजीम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में 17 फरवरी को कई जाट और हिंदू संगठनों ने बिसरख थाने का घेराव किया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को 25 फरवरी तक का समय दिया था।

अब तक इस मामले में कुल तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

परिचित से बात कर रहे व्यक्ति का मोबाइल झपटा

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश एक व्यक्ति का मोबाइल झपटकर फरार हो गया। थाने में दी शिकायत में सेक्टर 100 के लोटस ब्लूवार्ड सोसाइटी में रहने वाले स्वामी नेहरा ने बताया कि बीते सोमवार को रात करीब पौने दस बजे वह सोसाइटी के पास खड़े थे। किसी परिचित का फोन आने पर बात करने लगे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश आए और स्वामी नेहरा के हाथ से मोबाइल झपट लिया। पीड़ित ने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश मोबाइल लेकर भाग निकले। वह बदमाशों की बाइक का नंबर नोट नहीं कर सके। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

यमुना एक्सप्रेसवे के पास से गांजा तस्कर गिरफ्तार

650 ग्राम गांजा बरामद, परिवार का खर्च चलाने के लिए करता था तस्करी

जेवर। ग्रेटर नोएडा में दनकौर कोतवाली पुलिस ने यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के पास से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी शहजाद के कब्जे से करीब 650 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह नियमित गश्त के दौरान सर्विस रोड पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी लेने पर उसके पास से गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शहजाद बताया। उसने स्वीकार किया कि वह पिछले कई महीनों से गांजे की तस्करी कर रहा था। आरोपी ने यह भी बताया कि वह अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए इस अवैध धंधे में शामिल हुआ था। वह कासना क्षेत्र में रहकर गांजे की अवैध सप्लाई करता था और दनकौर क्षेत्र में माल पहुंचाने के इरादे से आ रहा था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही उसके नेटवर्क और सप्लाई चेन की जांच की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों को भी पकड़ा जा सके।

दनकौर में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर

धनौरी वेटलैंड रोड पर हादसा, दोनों सवार गंभीर घायल

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को धनौरी वेटलैंड रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस के अनुसार, भट्टा गांव निवासी गगन शुक्रवार को किसी काम से दनकौर कस्बे की ओर जा रहे थे। धनौरी वेटलैंड रोड पर उनकी बाइक की सामने से आ रही तेज रफ्तार दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। दूसरी बाइक सवार की पहचान जयप्रकाश के रूप में हुई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने

तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोतवाली में तहरीर नहीं दी गई थी। तहरीर मिलने पर मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में बच्चे के परिजन एसडीएम से मिले

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में तालाब में डूबकर तीन वर्षीय बच्चे की मौत के बाद, पीड़ित परिवार ने एसडीएम सदर से मुलाकात की। उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में परिवार के एक सदस्य को संविदाकर्मी के तौर पर नौकरी दिए जाने की मांग की है। परिवार को नौकरी का आश्वासन मिला है। यह घटना करीब सात दिन पहले दलेलगढ़ गांव में हुई थी। मूलरूप से दलेलगढ़ गांव की अंजली की शादी सिकंदराबाद क्षेत्र के सोपानी में राकेश से हुई थी। उनका तीन वर्षीय बेटा देवांश अपनी मां के साथ गांव आया था। अंजली के चाचा देवेंद्र उर्फ कालू गांव के मंदिर प्रांगण में 41 दिनों से तपस्या कर रहे थे। बीते रविवार को तपस्या समाप्त होने पर एक भंडारे का आयोजन किया गया था। इसी कार्यक्रम में देवांश भी अपनी मां के साथ आया था और खेलते हुए एक गड्ढे में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

नोएडा के दसों सर्किल से जोड़ी गई सफाई व्यवस्था

दो वरिष्ठ प्रबंधक बनाए गए नोडल, महाप्रबंधक को करेंगे रिपोर्ट

नोएडा। नोएडा में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग को 10 सर्किलों के साथ जोड़ा गया है। ताकि सफाई व्यवस्था उत्तम हो सके। नई व्यवस्था में जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ सर्किल कर्मचारियों का भी सहयोग लिया जाएगा। जिससे नोएडा क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाकर स्वच्छता अभियान में नोएडा को पहले से बेहतर और नंबर वन बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

जिसमें नोएडा क्षेत्र के सभी निवासियों, ग्राम वासियों, कर्मचारियों सहित सभी के सहयोग से ही सफलता मिलना संभव है। जन स्वास्थ्य विभाग समाप्त नहीं किया गया है केवल 10 सिविल डिवीजन के साथ जोड़ दिया गया है। जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों की सुविधा, समय-समय पर आने वाली विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को समयबद्ध निवारण पहले की

तरह होगा।

ये बनाए गए नोडल अधिकारी

पहले जन स्वास्थ्य खण्ड-प्रथम क्षेत्र जोकि वर्तमान में वर्क सर्किल 01 से 05 में सम्मिलित है। इसके नोडल अधिकारी कपिल सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक(9717597709) महाप्रबंधक (एसपी सिंह) रहेंगे। पहले जन स्वास्थ्य खंड-द्वितीय क्षेत्र जोकि वर्तमान में वर्क सर्किल 06 से 10 में सम्मिलित है। इसके नोडल प्रवीण सलोनिया वरिष्ठ प्रबंधक (9871090103) व महाप्रबंधक (एके अरोड़ा) व इंदुप्रकाश सिंह, विशेष कार्याधिकारी अधिकारी रहेंगे।

सेक्टर-94 में होगी बैठक

सेक्टर-94 स्थित कार्यालय में स्वास्थ्य कर्मियों से संबंधित समय-समय पर प्राप्त होने वाली विभिन्न शिकायतों , मांगों के निवारण के संबंध में बैठक की जाएंगी। समस्त स्वास्थ्य कर्मियों एवं विभिन्न एजेंसियों द्वारा इस नई व्यवस्था में और बेहतर एवं अच्छे ढंग से कार्य करने में सहयोग किया जायेगा ताकि शहरवासियों को पूर्व में नोएडा प्राधिकरण को स्वच्छता में मिले विभिन्न पुरस्कारों को यथावत बरकरार रखा जा सके।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में 4 साल का बच्चा कमरे में फंसा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने एक सराहनीय कार्य करते हुए कमरे में फंसे 4 साल के बच्चे को सकुशल बाहर निकाला। बच्चे ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया था, जिससे वह घबरा गया था। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्चे को उसकी मां से मिलाया गया। यह घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी3 की है। पुलिस को डायल 112 पर सूचना मिली कि एक मकान में 4 वर्षीय बच्चा कमरे के अंदर बंद हो गया है। बच्चे ने अंदर से कुंडी लगा ली थी और वह लगातार रो रहा था, जिससे उसकी घबराहट साफ दिख रही थी। सूचना मिलते ही पीआरबी 2554 और 8138 की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। वहां परिवार के सदस्य बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस टीम ने स्थिति का आकलन किया और तुरंत दरवाजा तोड़ने का निर्णय लिया। परिवार वालों ने बताया कि वे बाहर गए हुए थे और बच्चा सो रहा था। जागने के बाद उसने अनजाने में अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और जब वह उसे खोल नहीं पाया तो रोने लगा। दरवाजा तोड़ते ही बच्चा बाहर आया और सीधे अपनी मां के गले लग गया। बच्चे के बंद होने से परिवार वाले भी काफी चिंतित थे, खासकर मां का रो-रोकर बुरा हाल था।

नोएडा में चलती कार में लगी आग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-132 में चलती कार के बोनट से धुंआ उठने लगा। कार महिला चला रही थी। धुंआ उठता देख महिला कार से उतर गई। महिला अपने बच्चे को स्कूल लेने जा रही थी। मिनटो में कार के बोनट में आग लग गई। आग तेजी से फैली और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और दमकल की इसकी जानकारी दी। दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया। करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान स्थानीय लोग कार का बोनट खोलने का प्रयास करते दिखे। ताकि आग को बढ़ने से रोका जा सके। लेकिन उसे खोल नहीं पाए। आग आगे से पीछे की तरफ तेजी से बढ़ी। जिससे पूरी कार जलकर राख हो गई। बताया गया कि महिला अपने बच्चे को स्कूल लेने जा रही थी। इसी दौरान थाना सेक्टर-126 के पास सेक्टर-132 की मुख्य सड़क पर कार में आग लग गई। गनीमत रही कि इस हादसे में महिला बच गई। हालांकि कार में रखे दस्तावेज जल गए। फिलहाल पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को सड़क किनारे कर दिया है। यातायात पूरी तरह से क्लियर है।

स्कूल बाथरूम में छात्रा एक घंटे बंद रही

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के एक स्कूल में सातवीं कक्षा की छात्रा करीब एक घंटे तक बाथरूम में बंद रही। घटना 19 फरवरी की दोपहर की है। रयान इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा इंटरवल के समय वॉशरूम गई थी। तभी किसी ने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। बोड़ाकी गांव निवासी अशोक भाटी ने बताया कि उनकी बेटी शानवी (12) बाथरूम में चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन किसी ने नहीं सुना। करीब एक घंटे बाद एक महिला सफाई कर्मचारी ने उसकी आवाज सुनकर दरवाजा खोला। दरवाजा खुलने के बाद वह काफी घबराई हुई थी। वह अब भी सदमे में है। अशोक ने कहा कि उन्होंने घटना को लेकर स्कूल प्रबंधन से बात की, लेकिन उन्होंने इसे पूरी तरह नकार दिया। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि कोई भी बाथरूम में बंद नहीं हुआ था। इसके बाद परिजन ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की है। परिजन ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका तर्क है कि स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों से यह स्पष्ट हो जाएगा कि दरवाजा किसने बंद किया था। परिजनों ने स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा स्कूल की जिम्मेदारी है।

पहचान छिपाकर धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पहचान छिपाकर इंटरनेट कॉल के जरिए लोगों को धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसमें कई ऐसे ऐप मिले, जिनका इस्तेमाल वर्चुअल नंबर से कॉल करने और पहचान छिपाने के लिए किया जाता। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि साइबर क्राइम थाने की टीम सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति डीएलएफ मॉल की ओर से आ रहा है, जो मोबाइल में अलग-अलग एप्लीकेशन डाउनलोड कर इंटरनेट कॉल के जरिए लोगों को अपनी पहचान छिपाकर धमका रहा है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति को रोककर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम झारखंड के उधम सिंह नगर निवासी 46 वर्षीय रिशांत जैन बताया। वर्तमान में वह सेक्टर 128 स्थित एक सोसाइटी में किराये का फ्लैट लेकर रह रहा है। तलाशी लेने पर उसके पास से आईफोन मिला। फोन की जांच करने पर उसमें कई संदिग्ध और प्रतिबंधित ऐप डाउनलोड मिले।

छात्रों ने अंग्रेजी की परीक्षा को आसान बताया

ग्रेटर नोएडा। जनपद में 60 केंद्रों पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड की हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की शुक्रवार को परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली में हाई स्कूल की सामाजिक विज्ञान और इंटर की शस्य विज्ञान की परीक्षा हुई। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की अंग्रेजी की परीक्षा आयोजित हुई। वहीं, केंद्र से बाहर निकलते वक्त छात्रों ने अंग्रेजी के पेपर को अच्छा और पिछले वर्ष के मुकाबले इस पेपर को कठिन बताया। पहली पाली में हाई स्कूल की सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में 22048 में से 20840 छात्र शामिल हुए। 1208 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी।वहीं, इंटरमीडिएट के अंग्रेजी की परीक्षा में 19516 में से 18592 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 924 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी के जरिए कंट्रोल रूम की मदद से निगरानी रखी गई। केंद्रों पर टीम ने जाकर निरीक्षण भी किया। वही, सभी केंद्र के बाहर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कोई समस्या उत्पन्न हो सके। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि 60 केंद्र पर परीक्षा हुई।

इलेक्ट्रीशियन ने गले में फंदा लगाकर जान दी

ग्रेटर नोएडा। परी चौक स्थित अंसल गोल्फ लिंक सोसाइटी में किराये के मकान में रहने वाले इलेक्ट्रीशियन ने गले में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों का आरोप है कि पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने खुदकुशी की। इलेक्ट्रीशियन के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पत्नी, उसके दो जीजा और भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बुलंदशहर के ऐदलपुर धीमरी गांव निवासी पुष्पेंद्र सिंह की शादी करीब 11 महीने पहले नरसेना गांव निवासी युवती से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद ही दोनों के बीच झगड़ा होने लगा।पुष्पेंद्र एक निजी कंपनी में इलेक्ट्रीशियन था। परिजनों का आरोप है कि पुष्पेंद्र की पत्नी के उसके जीजा से अवैध संबंध हैं। इसके चलते पुष्पेंद्र को उसकी पत्नी, जीजा और भाई सभी मिलकर परेशान कर रहे थे। उसे आत्महत्या के लिए उकसाया जा रहा था। आरोप है कि पत्नी ने अपने भाई सुधीर की शादी के लिए पुष्पेंद्र से रुपये मांगे थे। रुपये न देने पर उससे मारपीट की गई।

ग्रेनो में सीवरेज की व्यवस्था दुरुस्त होगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में सीवरेज की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कासना स्थित मुख्य पंपिंग स्टेशन (एमएसपी) में उच्च क्षमता की पांच नई मोटर लगाने का काम जल्द किया जाएगा। इससे गंदा पानी तेज बहाव में एसटीपी तक पहुंचेगा। इस काम के लिए प्राधिकरण ने निविदा जारी की है। साथ ही जर्जर लाइन को चिन्हित किया जा रहा है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक सीवर लाइन में आ रही दिक्कतों को चिन्हित कर उन्हें दूर किया जा रहा है।इससे सेक्टरवासियों को अगले कुछ माह में सीवर ओवरफ्लो की समस्या से काफी हद तक निजात मिल जाएगी। कार्ययोजना के तहत कासना स्थित 137 एमएलडी क्षमता के मुख्य पंपिंग स्टेशन में लगी 15 से 20 साल पुरानी बिजली की मोटर को बदला जाएगा। मोटर के खराब होने की समस्या पैदा होती रहती है। पता चला है कि इस समय पांच में से तीन मोटर ही चालू स्थिति में हैं। एक समय में दो मोटर ही चल पाती है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

गांधी सभागार में हुई समीक्षा, ब्लैक स्पॉट सुधार और बेसहारा पशुओं पर विशेष जोर

पीलीभीत। कैलेंडर वर्ष 2026 की जिला सड़क सुरक्षा समिति की द्वितीय बैठक शुक्रवार देर शाम गांधी सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने की। इसमें जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समन्वित रूप से कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को मुख्य मार्गों से बेसहारा पशुओं को पकड़वाने के लिए विशेष अभियान चलाने और उन्हें गौशालाओं में भिजवाने के निर्देश दिए, ताकि निराश्रित गौवंशों से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

27 ब्लैक स्पॉट चिन्हित, 20 पर सुधार कार्य पूर्ण

एआरटीओ ने बताया कि जनपद में 27 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 20 स्थानों पर सुधारात्मक कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। शेष सात ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालीन सुधार किए गए हैं, जबकि दीर्घकालीन सुधार कार्य शेष है। इस पर जिलाधिकारी ने सभी सड़क निर्माण एजेंसियों के अभियंताओं को निर्देशित किया कि शेष ब्लैक स्पॉट्स पर प्रभावी और स्थायी सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाएं। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में रम्बल स्ट्रिप, कैट्स आई, ब्लिंकर लाइट, यातायात संकेतक और चेतावनी बोर्ड पर्याप्त संख्या में लगाने के निर्देश भी दिए गए।

जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम पर जोर

बैठक में जानकारी दी गई कि जनपद को 'जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट (ज़्रष्ठ)' कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित किया गया है। इसके तहत न्यूरिया, गजरौला, बीसलपुर, पूरनपुर और जहानाबाद थाना क्षेत्रों में विशेष टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें वाहन चालकों को जागरूक करने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई बढ़ाने और दुर्घटनाओं के कारणों की रिपोर्ट संबंधित विभागों को भेजने का कार्य कर रही हैं।

राहवीर योजना और कैशलेस उपचार का होगा प्रचार

बैठक में 'राहवीर योजना' और हिट एंड रन मामलों में पीड़ितों को दी जाने वाली सहायता राशि के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। साथ ही कैशलेस उपचार योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए गए।

गन्ना वाहनों की सुरक्षित आवाजाही की योजना

जनपद में गन्ना वाहनों के सुरक्षित परिवहन के लिए निर्देश दिए गए कि गन्ना वाहन पूरनपुर-टनकपुर बाईपास मार्ग से चीनी मिल तक संचालित किए जाएं। इसके लिए जिला गन्ना अधिकारी, चीनी मिल प्रबंधन, यातायात पुलिस और परिवहन विभाग को समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना लागू करने को कहा गया। बिजली विभाग को पूरनपुर-टनकपुर नवनिर्मित बाईपास पर नीचे लटके विद्युत तारों को ऊंचा कराने के निर्देश दिए गए। वहीं गंभीर दुर्घटनाओं में घायलों के त्वरित उपचार के लिए पूरनपुर और बीसलपुर तहसील मुख्यालय पर ट्रामा सेंटर स्थापित करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एआरटीओ, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, विभिन्न सड़क निर्माण एजेंसियों के अभियंता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों को जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बारात में गया युवक दस दिन बाद खेत में मिला मृत

पीलीभीत। थाना न्यूरिया क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब दस दिन से लापता युवक का शव गांव बिठौरा खुर्द के पास एक गेहूं के खेत में पड़ा मिला। मृतक की पहचान ग्राम उल्हेतापुर निवासी 30 वर्षीय ललित कुमार उर्फ लालू पुत्र दुर्गा प्रसाद के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

11 फरवरी को गया था बारात में, फिर नहीं लौटा घर

परिजनों के मुताबिक, ललित कुमार 11 फरवरी की शाम कुआं खेड़ा गांव में एक बारात में शामिल होने गया था। रात काफी बीत जाने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने उसी रात और अगले दिन रिश्तेदारों, मित्रों और आसपास के गांवों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी।तीन दिन तक लगातार खोजबीन के बाद भी जब ललित का कोई सुराग नहीं मिला, तो 14 फरवरी को थाना न्यूरिया में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू की, लेकिन शुरुआती दिनों में कोई सफलता हाथ नहीं लगी।

शुक्रवार सुबह बिठौरा खुर्द गांव के कुछ ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर गेहूं के खेत में पड़े एक शव पर पड़ी। पास जाकर देखने पर मामला संदिग्ध लगा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष सुभाष मावी, हल्का इंचार्ज अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई, जिसमें उसकी पहचान ललित कुमार के रूप में हुई। शव की हालत देखकर प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना अध्यक्ष सुभाष मावी ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

शार्ट न्यूज

जब मोबाइल मिला तो लौट आई यादें

ललितपुर । जाखलौन पुलिस ने 2 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर मालिकों को सौंपे है। करीब 19 हजार रुपए कीमत के यह मोबाइल चोरी, गुमशुदा, छीनाझपटी में चले गए थे। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज के पर्यवेक्षण में थाना जाखलौन पर जनसुनवाई/पोर्टल पर गिरे / खोये हुए मोबाइल फोन के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों में नियमानुसार गुमशुदगी अंकित की गयी थी । थाना जाखलौन पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रपत्रों का अवलोकन कर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुये भारत सरकार द्वारा संचालित ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल पर आवेदक के प्रपत्रों को अपलोड करके, विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त तकनीकी डेटा का अवलोकन व तकनीकी विश्लेषण कर प्राप्त जानकारी के आधार पर 02 गिरे हुए/खोये हुए मोबाइलों को बरामद कर उनके स्वामियों को नियमानुसार सुपुर्द किया गया । पीड़ितों का मोबाइल फोन उन्हे वापस मिलने पर, उनके द्वारा पुलिस अधीक्षक, ललितपुर व थाना जाखलौन पुलिस की भूरि – भूरि प्रशंसा की गयी ।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी भेजा जेल

ललितपुर । नाराहट एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। नाराहट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा और अदालत में पेश किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी पाली, अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना नाराहट पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 02/2026 धारा 75/130/352/351(3) बीएनएस व 7/8 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त मुकेश उर्फ छोटू पुत्र धंसू अहिरवार उम्र करीब 25 वर्ष निवासी मुहल्ला कबराटा कस्बा व थाना नाराहट जिला ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर, न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष पारुल चंदेल उ.नि. भूपेन्द्र कुमार हे.का. प्रवेन्द्र सिंह म. आरक्षी रामजानकी आदि शामिल रहे।

मारपीट व जातिसूचक शब्द के मामले में जेल में बिताई गई अवधि की सजा

ललितपुर । पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में चिन्हित अभियोगो में अपराधियों को शीघ्र अधिक से अधिक सजा दिलाये जाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया था । इसी क्रम में अभियुक्त शेख महमूद पुत्र शेखमुईनउद्दीन निवासी मुहल्ला नेहरूनगर थाना कोतवाली, जनपद ललितपुर के विरूद्ध थाना कोतवाली ललितपुर में मु0अ0सं0 153/2025 धारा 115(2)/351(3)/352 बीएनएस व 3(1)द,ध व 3(2)(5 a) SC/STACT का अभियोग पंजीकृत हुआ था, जिसमे डेडीकेटेड टीम गठित कर वैज्ञानिक व तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयवद्ध व गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित कर अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था पुलिस अधीक्षक ललितपुर द्वारा उपरोक्त प्रकरण की निरन्तर प्रभावी पैरवी करवायी गयी ।

दूल्हा पानी पड़ते ही कांपने लगा, शादी टूटी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में दूल्हे की हरकतों को देखकर लड़की वालों ने शादी तोड़ दी। दूल्हा मंडप में डगमगा रहा था। दुल्हन के भाइयों ने सहारा देकर उसे बिठाया। लेकिन उसके चेहरे पर सुस्ती थी। इसके बाद ससुर ने पांव पखारने की रस्में शुरू कीं तो वह कांपने लगा। यह देख लड़की वाले भड़क गए। पहले तो उन्हें दूल्हे के नशे में होने का शक हुआ। बाद में दूल्हे के पास से दवा का एक पत्ता भी मिला। दुल्हन के परिवार वालों ने दूल्हे को बीमार बताकर बाकी शादी रुकवा दी। सुबह पुलिस को बुलाया गया। थाने में दोनों पक्षों के बीच करीब 12 घंटे तक पंचायत चली। लेकिन दुल्हन के परिवार वाले शादी को राजी नहीं हुए। बारात बिना दुल्हन के लौट गई। मामला जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के बरुआ गांव का है। बरुआ गांव के रहने वाले भीषण राम वर्मा मनरेगा में जेई पद से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बेटी अर्चना की शादी गांव से 10 किमी दूर भरसारे रूपीपुर के रहने वाले राम जगत वर्मा के बेटे रवि वर्मा के साथ तय की थी।

लखनऊ में पराग डेयरी का बैंक खाता सील

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में हाउस टैक्स जमा नहीं करने पर नगर निगम ने लखनऊ प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव मिल्क यूनियन लिमिटेड (पराग डेयरी) से जुड़े बैंक खातों को कुर्क कर सीज कर दिया। नगर निगम के अनुसार डायरेक्टर पराग डेयरी के नाम दर्ज है, जिसपर कुल 82,84,597 रुपए का कर बकाया है। जोनल अधिकारी विकास सिंह ने बताया-निर्धारित समय सीमा के भीतर कर का भुगतान नहीं किया गया। बकाया वसूली के लिए पहले नियमानुसार बिल और डिमांड नोटिस जारी किए गए थे। इसके साथ ही संबंधित संस्था से व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क कर भुगतान करने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद बकाया राशि जमा नहीं की गई। अपर नगर आयुक्त डॉक्टर अरविंद कुमार राव ने बताया- उप्र नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 509 से 516 के तहत निगम को बकाया कर की वसूली के लिए चल और अचल संपत्ति को कुर्क करने का अधिकार है। इसी प्रावधान के तहत लखनऊ प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव मिल्क यूनियन लिमिटेड के दो बैंक खातों को कुर्क और सीज कर दिया गया।

डीआईजी ने किया महोबा जेल का औचक दौरा

महोबा। प्रयागराज-बनारस रेंज के डीआईजी जेल, राजेश कुमार श्रीवास्तव ने आज महोबा का एक दिवसीय दौरा किया। उन्होंने जिला उप-कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही, करोड़ों की लागत से निर्माणाधीन नई जिला जेल के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण भी किया। डीआईजी के अचानक दौरे से जिला उप-कारागार प्रशासन में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों की स्थिति और बंदियों को दी जा रही सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की। डीआईजी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने जेलर पी.के. मिश्रा को बंदियों और कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

पीएनबी ने दिवंगत होमगार्ड के परिवार को सौंपा 40 लाख का दुर्घटना बीमा दावा

ललितपुर। पंजाब नेशनल बैंक की बिरधा शाखा ने अपने सामाजिक दायित्व और ग्राहक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। बैंक ने सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले होमगार्ड काली चरण के परिजनों को 40 लाख रुपये की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा दावा राशि का चेक प्रदान किया। दिवंगत होमगार्ड काली चरण का वेतन खाता पीएनबी की बिरधा शाखा में संचालित था। एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो जाने के कारण, बैंक के सैलरी अकाउंट पर मिलने वाले मुफ्त व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के तहत 40,00,000/- की राशि उनके आश्रितों को स्वीकृत की गई।मंडल प्रमुख ने सौंपा सहायता का चेक झांसी मंडल के मंडल प्रमुख राज कुमार ने स्वयं ललितपुर पहुंचकर मृतक की पत्नी और मुख्य दावेदार अनिता निवासी- ग्राम जेरवारा देलवारा को यह चेक सौंपा। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और बैंक की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक एल डी,एम रंजीत कुमार ने बताया कि बैंक अपने ग्राहकों की आर्थिक सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि वेतन खाते के साथ मिलने वाला यह बीमा लाभ किसी भी अनहोनी की स्थिति में परिवार के लिए एक बड़ा वित्तीय संबल साबित होता है। इस मौके पर बिरधा शाखा के प्रबंधक अशोक कुमार सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पीलीभीत : जिला पंचायत की टेंडर प्रक्रिया में फर्जीवाड़े का आरोप

फर्जी स्टांप पेपर व जाली हस्ताक्षर से चार टेंडर निरस्त कराने की शिकायत, अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पीलीभीत। जिला पंचायत की टेंडर प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में घिर गई है। पूरनपुर क्षेत्र के एक ठेकेदार ने आरोप लगाया है कि उनके नाम से फर्जी स्टांप पेपर और जाली हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर उनके चार टेंडर निरस्त करा दिए गए। मामले में कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2014 से कर रहे ठेकेदारी, कई कार्यों के लिए डाले थे टेंडर

पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम मथना जसी निवासी पवनदीप सिंह पुत्र बलवीर सिंह ने बताया कि वह वर्ष 2014 से जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदार के रूप में कार्य कर रहे हैं। 12 दिसंबर 2025 को जारी ई-निविदा के अंतर्गत उन्होंने टेंडर क्रम संख्या 01, 02, 03, 34 और 154 के लिए आवेदन किया था। उनके अनुसार टेंडर क्रम संख्या 03 को स्वीकृति मिल गई, जबकि अन्य चार टेंडर 19 जनवरी 2026 को नॉन रिस्पॉन्सिव/रिजेक्टेड टेक्निकली卐 बताते हुए निरस्त कर दिए गए। मोबाइल पर प्राप्त सूचना के बाद जब उन्होंने विभाग में जानकारी की तो बताया गया कि उनके द्वारा स्टांप पेपर पर दिया गया एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है, जिसके आधार पर टेंडर निरस्त किए गए।

न स्टांप खरीदा, न किया कोई आवेदन

पवनदीप सिंह का आरोप है कि उन्होंने न तो 100 रुपये का कोई स्टांप पेपर खरीदा और न ही किसी प्रकार का प्रार्थना पत्र दिया। उनका कहना है कि 8 जनवरी 2026 दिनांकित एक प्रार्थना पत्र 100 रुपये के स्टांप पर विभाग को भेजा गया, जिस पर उनके फर्जी हस्ताक्षर दर्शाए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 22 दिसंबर 2025 को उन्होंने कोई स्टांप पेपर नहीं खरीदा था। इसके बावजूद उनके नाम से दस्तावेज प्रस्तुत कर निविदा क्रम संख्या 01, 02, 34 और 154 को निरस्त कर दिया गया। इसे उन्होंने सुनियोजित साजिश बताते हुए कहा कि इससे उनकी व्यावसायिक छवि धूमिल करने और आर्थिक नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

डीएम से शिकायत, उच्च स्तर तक लगाई गुहार

पीड़ित ठेकेदार ने जिलाधिकारी को लिखित शिकायत देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि जिला पंचायत के अधिकारियों ने बिना सत्यापन किए फर्जी दस्तावेज को स्वीकार कर लिया और टेंडर निरस्त कर दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री, मंडलायुक्त तथा संबंधित अधिकारियों को भी शिकायत भेजी, लेकिन कार्रवाई न होने पर पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप की मांग की।

एसपी के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

शिकायत के बाद एसपी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रस्तुत दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी और हस्ताक्षरों का मिलान कराया जाएगा।

प्रशासनिक पारदर्शिता पर उठे सवाल

जिला पंचायत की टेंडर प्रक्रिया में सामने आए इस कथित फर्जीवाड़े ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला केवल एक ठेकेदार तक सीमित न रहकर व्यापक स्तर पर जांच का विषय बन सकता है।

फिलहाल पुलिस और प्रशासन की जांच पर सभी की निगाहें टिकी हैं। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि टेंडर निरस्तीकरण में किसकी भूमिका रही और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होगी।

पुलिस लाइन में अनुशासन की परख, एसपी ने कसी कमान

परेड से लेकर पीआरवी तक का निरीक्षण, आपात तैयारियों को और मजबूत करने के निर्देश

पीलीभीत। जिले की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन पीलीभीत में आयोजित साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने परेड की सलामी लेकर जवानों के अनुशासन, सजगता और आपातकालीन तैयारियों की बारीकी से जांच की। परेड मैदान में विभिन्न टुकड़ियों की कदमताल, वर्दी की सुसज्जा और अनुशासन का मूल्यांकन करते हुए एसपी ने कहा कि पुलिस बल की मजबूती उसकी एकजुटता और तत्परता में निहित है। उन्होंने जवानों की बेहतर प्रस्तुति पर संतोष जताया, वहीं आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान शस्त्र ड्रिल का प्रदर्शन कराया गया। पुलिसकर्मियों ने शस्त्रों को खोलने, जोड़ने और संचालित करने की प्रक्रिया का अभ्यास प्रस्तुत किया। एसपी ने निर्देशित किया कि सभी शस्त्रों की नियमित सफाई और तकनीकी जांच अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में बाधा उत्पन्न न हो।

इसके बाद एसपी ने यूपी 112 की पीआरवी गाड़ियों का निरीक्षण किया। वाहनों की तकनीकी स्थिति, वायरलेस सेट, सायरन सिस्टम और फर्स्ट एड किट की उपलब्धता को परखा गया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना अथवा अन्य आपात परिस्थितियों में त्वरित रिस्पॉन्स सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस परिसर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

परेड के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने केंद्रीय पुलिस कैंटीन, अग्निशमन शाखा, फायरिंग बट और आदेश कक्ष का भी निरीक्षण किया। अग्निशमन उपकरणों की कार्यक्षमता और सुरक्षा मानकों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने परिसर में स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण से स्पष्ट है कि पुलिस प्रशासन जनपद में कानून-व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों को लगातार परख रहा है।

एसपी ने पुलिस लाइंस में ली परेड की सलामी

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा शुक्रवार की परेड की सलामी ली गयी परेड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान परेड की ड्रिल, अनुशासन, ड्रेस कोड तथा तालमेल की गुणवत्ता का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया । तत्पश्चात रिज़र्व पुलिस लाइन्स में स्थित विभिन्न शाखाओं जैसे- शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन, कन्ट्रोल रुम, वर्दी स्टोर आदि का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं संसाधनों की स्थिति की समीक्षा की गई । डायल-112 के PRV वाहनों निरीक्षण किया गया । निरीक्षण को दौरान वाहनों की साफ-सफाई, संचार उपकरणों वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल की कार्यशीलता एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई । पीआरवी स्टाफ को आमजन के प्रति संवेदनशील, संयमित एवं सेवा भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया । त्वरित रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए ।

परिवहन विभाग में लगा मेला, वाहन स्वामियों को दी गई योजनाओं की जानकारी

ललितपुर। परिवहन विभाग द्वारा लघु अवधि की श्रेणी के अन्तर्गत एक मुस्त कर ढाँचे के लागू होने के उपरान्त एआरटीओ स्तर पर परिवहन मेला का आयोजन कार्यालय में किया गया। वाहन स्वामियों एवं आम जनमानस को प्रदेश सरकार की इस जनहितकारी योजनाओ से अवगत कराये जाने के लिये दिनांक 20.02.2026 को परिवहन कार्यालय ललितपुर में समय 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक परिवहन मेले का आयोजन किया गया।

जिसमें एआरटीओ (प्रशासन) द्वारा परिवहन मेले में वाहन स्वामियों को एक वारीय कर भुगतान व समायोजन की समस्याओं का मौके पर समाधान हेतु जागरूक किया गया। मेले का उददेश्य एक मुस्त कर व्यवस्था से सम्बन्धित नियमों, कर निर्धारण की प्रक्रिया, कर गणना, भुगतान की विधि एवं समय-सीमा के सम्बन्ध में वाहन स्वामियों एवं ट्रांसपोर्ट संगठनों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी, साथ ही वाहन स्वामियों की समस्यओं का मौके पर समाधान नियमानुसार कर वाहन स्वामियों को कर भुगतान व समायोजन की सुविधा प्रदान किये जाने की जानकारी दी गयी। उक्त मेले का आयोजन कल दिनांक 21.02.2026 को नियमित समयनुसार (सुबह 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक) जारी रहेगा।

शाह मानहानि केस-राहुल गांधी का आरोपों से इनकार

सुलतानपुर। गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की MP/MLA कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। इसमें कोई ठोस आधार नहीं है। पेशी के दौरान मौजूद वकीलों के अनुसार, कोर्ट पहुंचने पर राहुल ने जज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सुनवाई पूरी होने पर धन्यवाद भी कहा। जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा-हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी।

एसपी ने की लंबित विवेचनाओं की समीक्षा साइबर अपराध के मामलों का शीघ्र कराएं निस्तारण

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा साइबर थाना, ललितपुर के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम, प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण तथा तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए गए । बैठक में साइबर थाना में प्राप्त प्रकरणों की श्रेणीवार समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए । एसपी द्वारा कहा गया कि साइबर अपराधों में त्वरित प्रतिक्रिया अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में प्रारम्भिक गोल्डन आवर में की गई कार्यवाही से धनराशि होल्ड/फ्रीज कराई जा सकती है । इस दौरान भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न साइबर पोर्टलों जैसे Cytrain Portal, NCCRP Portal, प्रतिबिम्ब पोर्टल, CEIR Portal एवं सुदर्शन पोर्टल का नियमित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी अधिकारी/कर्मचारियों को इन पोर्टलों पर नियमित लॉगिन कर प्रशिक्षण प्राप्त करने, उपलब्ध टूल्स का प्रभावी प्रयोग करने तथा इनके माध्यम से की गई प्रत्येक कार्यवाही का सुव्यवस्थित अभिलेखीकरण करने हेतु निर्देशित किया गया । साथ ही साप्ताहिक रूप से कृत कार्यवाही का गोश्वारा तैयार कर उच्चाधिकारियों को प्रेषित करने के भी निर्देश दिए गए । बैठक में साइबर अपराध की प्रमुख प्रवृत्तियों जैसे साइबर स्लेबरी (डिजिटल अरेस्ट/ब्लैकमेलिंग), म्यूल एकाउंट्स का उपयोग, IMEI ब्लॉकिंग से संबंधित प्रकरण, फिशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग, यूपीआई/ओटीपी फ्रॉड आदि विषयों पर विशेष चर्चा की गई ।

संक्षिप्त समाचार

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा। ट्रंप ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन सरकार के फैसले को एक बड़ी गलती बताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे (लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं। ट्रंप ने आगे लिखा, अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है। प्रधानमंत्री स्टार्मर को किसी भी वजह से डिएगो गार्सिया पर अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। ट्रंप ने ये भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वे ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने लिखा, अगर ब्रिटेन से जमीन छीनी जाती है तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। हम ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। लेकिन ब्रिटेन को मजबूत रहना होगा। मॉरीशस को साल 1968 में ब्रिटेन के शासन से आजादी मिली, लेकिन डिएगो गार्सिया द्वीप ब्रिटेन का उपनिवेश बना रहा। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के 2019 के फैसले और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते ब्रिटेन की सरकार ने साल 2025 में मॉरीशस के साथ हुए एक समझौते में चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को वापस लौटाने का फैसला किया। वहीं डिएगो गार्सिया द्वीप को 99 साल के पट्टे पर बरकरार रखने का फैसला किया, जहां ब्रिटेन का सैन्य अड्डा रहेगा। डिएगो गार्सिया द्वीप हिंद महासागर में रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम जगह पर है। यही वजह है कि ट्रंप इस द्वीप को छोड़ने के ब्रिटेन के फैसले के खिलाफ हैं।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीति ही विकल्प, समझौता करना समझदारी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति ही पहला विकल्प है। लेविट ने मीडिया से बातचीत में ईरान को चेताया और कहा कि ईरान के लिए ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। जब उनसे ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूछा गया, तो लिविट ने कहा, ईरान पर हमला करने के लिए कुछ तर्क दिए सकते हैं। राष्ट्रपति ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत एक सफल अभियान चलाया था, जिसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं को पूरी तरह नष्ट किया गया। राष्ट्रपति हमेशा स्पष्ट रहे हैं कि ईरान या किसी अन्य देश के साथ कूटनीति पहला विकल्प है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ने कई लोगों, खासतौर से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से बातचीत कर रहे हैं। यह निर्णय अमेरिका और उसके लोगों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना इस्राइल के साथ बातचीत में हैं, लेकिन किसी भी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है। प्रेस सचिव ने कहा कि जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर अभी भी काफी दूरियां हैं। उन्होंने कहा, थोड़ी प्रगति हुई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर हम अभी भी दूर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ईरान अगले दो हफ्तों में विस्तृत प्रस्ताव लेकर आएगा। राष्ट्रपति इस प्रक्रिया को लगातार देखेंगे। मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ने जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान अगले दो हफ्तों में अपनी विस्तृत योजना के साथ आएगा, ताकि मुद्दों को सुलझाया जा सके। इस बीच, ट्रंप ने जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत से पहले ईरान को चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने ईरान से कहा कि अगली बातचीत में समझदारी दिखाएं और जून 2025 में कई गई बी-2 बमबारी की याद दिलाई। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेई ने भी ट्रंप को चेतावनी दी और कहा कि दुनिया की सबसे ताकतवर सेना को भी विनाशकारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार कहते हैं कि उनके पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना है। सबसे मजबूत सेना भी कभी-कभी इतनी भारी चोट खा सकती है कि फिर उठ नहीं सकती।

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक...

क्या इंसान भी ला सकते हैं भूकंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं।

खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है।

भीड़ भी पैदा कर सकती है हल्का कंपन : अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया।

ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है।

हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती

की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप : ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है।

अगर यह दबाव पहले से मौजूद फॉल्ट लाइन पर असर डालता है, तो चट्टानें खिसक सकती हैं और ऊर्जा निकलने से भूकंप आ सकता है। ऐसे मामले अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिणी इटली में देखे गए हैं, जहां ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन के बाद भूकंपों की संख्या बढ़ी।

इंजेक्शन की गति घटाने से कम हुए झटके : अध्ययन में पाया गया कि जब रोजाना इंजेक्शन की मात्रा कम की गई, तो भूकंपों की संख्या भी घट गई। पहले जहां सैकड़ों छोटे झटके दर्ज हो रहे थे, वहीं दर घटाने के बाद बहुत कम और हल्के झटके आए।

कंप्यूटर मॉडल और भूगर्भीय आंकड़ों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह समझा कि दबाव को धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जोखिम कम कर सकता है। इससे संकेत मिलता है कि मानव-जनित भूकंपों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते निगरानी और योजना सावधानी से की जाए।

रोकथाम भूगोल और योजना पर निर्भर : प्राकृतिक भूकंपों को रोका नहीं जा सकता, क्योंकि वे धरती की परतों में वर्षों से जमा हो रहे दबाव के कारण आते हैं। लेकिन मानव-जनित झटकों को कम किया जा सकता है, अगर औद्योगिक परियोजनाएं स्थानीय भूगोल को ध्यान में रखकर चलाई जाएं और जमीन के नीचे दबाव में बदलाव को सावधानी से नियंत्रित किया जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि पूरी तरह काम बंद करना ही एकमात्र उपाय नहीं है। सही डेटा, सावधानीपूर्वक योजना और लगातार निगरानी से जोखिम कम किया जा सकता है। जमीन हिल सकती है, लेकिन शायद कम बार।

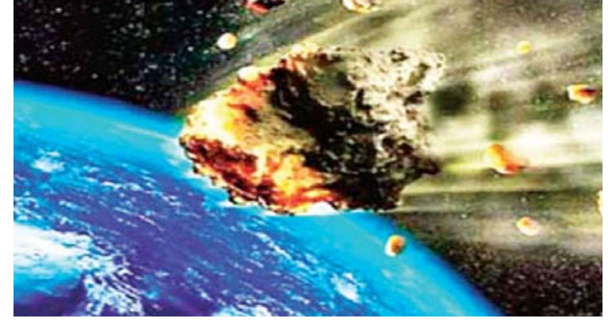

नासा का अलर्ट: 25 हजार एस्टेरॉयड धरती के पास, आधों का अब तक नहीं लगा सुराग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेताया है कि पृथ्वी के पास लगभग 25,000 ऐसे एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) मंडरा रहे हैं। लेकिन इनका अभी तक पता नहीं चल पाया है।

चिंता की बात ये है कि ये किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह खत्म कर समतल करने की ताकत रखते हैं। नासा में प्लैनेटरी डिफेंस (ग्रह रक्षा) की प्रमुख केली फास्ट ने अमेरिकी एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में बोलते हुए कहा कि जो चीज मुझे रात में सोने नहीं देती, वह हैं वे एस्टेरॉयड जिनके बारे में हम जानते ही नहीं हैं। केली के मुताबिक, वैज्ञानिक बहुत छोटे और बहुत बड़े पत्थरों को तो ट्रैक कर लेते हैं, लेकिन मध्यम आकार (लगभग 140 मीटर) वाले पत्थर अभी भी नजरों से ओझल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिटी-किलर्स वैश्विक विनाश भले न करें, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भारी तबाही मचा सकते हैं। अनुमान है कि ऐसे 25,000 पत्थरों में से हम केवल 40 फीसदी को ही ढूंढ पाए हैं।

50 फीसदी से अधिक एस्टेरॉयड का स्थान अज्ञात : जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की डॉ. नैन्सी चाबोट, जिन्होंने 2022 में नासा के डार्ट मिशन का नेतृत्व किया था, उन्होंने भी इस खतरे पर मुहर लगाई है। उनके अनुसार यह खोज अभी अधूरी है, हमें अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा 140 मीटर वाले एस्टेरॉयड्स के ठिकाने का पता नहीं है।

एस्टेरॉयड को नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं : नासा ने कहा कि वर्तमान में हमारे पास किसी अचानक आने वाले एस्टेरॉयड को मोड़ने या नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं है। इस रक्षा प्रणाली को तैयार रखने के लिए निवेश की भारी कमी है।नैन्सी ने स्पष्ट किया कि हमारे पास जैसा कोई दूसरा स्पेसक्राफ्ट स्टैंडबाय पर नहीं रखा है, जिसे तुरंत लॉन्च किया जा सके।

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

ममदानी बोले- इस बार तरीका मानवीय होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए।

हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे।

फैसले के खिलाफ और समर्थन में कौन?

जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूल मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था बेघरों के लिए गठबंधन के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

30 मीटर तक हवा में उड़कर घर के बाथरूम में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, बाल-बाल बचा परिवार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाला हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार से आ रहा एक ट्रक मिट्टी के टीले से उछलकर हवा में करीब 30 मीटर तक उड़ता हुआ एक घर में जा घुसा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक को हवा में उड़ते हुए साफ देखा जा सकता है।

यह हादसा पिछले शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे टाइगार्ड में हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार, ट्रक पश्चिम दिशा में साउथवेस्ट स्कोल्स फेरी रोड पर जा रहा था और चालक तेज रफ्तार व लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। दरवाजे पर लगे कैमरे की फुटेज में दिखता है कि ट्रक पहले एक मिट्टी के टीले से उछला, फिर एक रिटेनिंग वॉल को पार करता हुआ सीधे घर की दीवार से टकरा गया।

घर के बाथरूम में जा घुसा ट्रक : ट्रक डेविड ब्रुडनोक के घर के ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में जा घुसा। ब्रुडनोक ने स्थानीय चैनल से बातचीत में कहा, ÷मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कोई ट्रक उड़कर आएगा। अचानक जोरदार धमाका हुआ और घर हिल

गया। नीचे जाकर देखा तो घर का पूरा सामने का हिस्सा टूट चुका था। हादसे के समय ब्रुडनोक, उनकी पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे ऊपर की मंजिल पर थे। अच्छी बात यह रही कि परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ। ब्रुडनोक ने कहा कि वह भगवान का शुक्रगुजार हैं कि हादसे के वक्त पूरा परिवार ऊपर था, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

ड्राइवर पर मामला दर्ज : हादसे के बाद ड्राइवर खुद गाड़ी से बाहर निकल आया, जबकि फायर ब्रिगेड की टीम ने मलबे में फंसे यात्री को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक ड्राइवर और यात्री दोनों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने 33 साल के ड्राइवर जैकब हैंकिंस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और दूसरों की जान खतरे में डालने का मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी अभी इस हादसे की पूरी परिस्थितियों की समीक्षा कर रहे हैं, जिसमें ट्रक की रफ्तार और टक्कर से पहले की ड्राइविंग का तरीका शामिल है।

जमीन के नीचे दौलत और सहत पर संकट

दुनिया का सबसे बड़ा तेल रिजर्व होने के बावजूद वेनेजुएला में क्यों बिगड़े हालात?

कराकास एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल रिजर्व है, जो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 303 बिलियन बैरल है। यह दुनियाभर के क्रूड ऑयल का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। यह तेल का भंडार मुख्य रूप से ओरिनोको बेल्ट में फैला हुआ है, जहां तेल बेहद घना और भारी किस्म का है।

कैसे बना इतन विशाल तेल भंडार? : वेनेजुएला की भूवैज्ञानिक संरचना ने ही इस बड़े तेल रिजर्व को संभव बनाया है। वेनेजुएला के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में फैला ओरिनोको बेल्ट सेडिमेंट्री चट्टानों का एक बड़ा इलाका है, जहां पुराने जैविक पदार्थ दबाव और समय के साथ हाइड्रोकार्बन में बदल गए।

कैसे चट्टानों से निकला तेल? : एक केस स्टडी के अध्ययन के अनुसार, लाखों सालों में, कैरिबियन और साउथ अमेरिकन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच हलचल की वजह से पूर्वी वेनेजुएला के कुछ हिस्से डूब गए। जब जमीन लंबे समय तक धीरे-धीरे पानी में डूबती है, तो इससे एक गहरा बेसिन बनता है। इसे एक बड़े नेचुरल कटोरे की तरह समझा जा सकता है। इस कटोरे ने समय के साथ सेडिमेंट रॉक्स की मोटी परतें बनने दीं। सेडिमेंट बाद में चट्टानें बन गईं जिनमें तेल होता है।

बढ़ते हुए एंडीज पर्वत से बहने वाली नदियां इस बेसिन में बहुत ज्यादा रेत, मिट्टी और दबे हुए ऑर्गेनिक मटीरियल ले गईं, जिससे बहुत मोटी, तेल से भरपूर परतें बनीं जो आखिर में रिजर्वॉयर बन गईं।

इस इलाके में समुद्र के लेवल में बार-बार बढ़ोतरी और गिरावट ने भी इस दबे हुए ऑर्गेनिक मैटर को बचाने में मदद की, क्योंकि उथले समुद्रों ने कम ऑक्सीजन वाली कंडीशन बनाई जिससे यह पूरी तरह से सड़ नहीं पाया, इसलिए ज्यादा गहराई में दबे होने पर तेल बनाने के लिए ज्यादा मटीरियल मौजूद था।

इसके अलावा, टेक्टोनिक ताकतों की वजह से होने वाले फॉल्ट और स्ट्रक्चरल ट्रैप ने तेल बनने के बाद उसे बाहर निकलने से रोकने में मदद की, जिससे असल में बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन वहीं सील हो गए।

वेनेजुएला में उत्पादन क्यों घटा? : वेनेजुएला में भले ही तेल रिजर्व का आकार दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन इसका असर उत्पादन या आर्थिक स्थिरता पर नहीं पड़ा।

कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या

61 प्रतिशत की आई कमी, इन नियमों का भरतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो एजेंसी। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है।

हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी हाने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।

कितनी हो गई संख्या? : दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं।

मासिक आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर 8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

कनाडा सरकार ने कैप की तय : कनाडा सरकार ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आव्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और कमी होगी।

रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आव्रजन को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है।

चीन का कार बाजार फिर सिकुड़ने जा रहा है? दुनिया भर के कार निर्माताओं पर पड़ेगा असर?

बीजिंग, एजेंसी। साल 2018 में, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था पर पहली बार डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख का असर दिखने लगा था, तब दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार, चीन अचानक सुस्त पड़ गया था। दशकों तक लगातार बढ़त के बाद चीन में कार बिक्री गिरने लगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो गई। उस समय विदेशी कार कंपनियां, जिनकी बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत थी, सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं।

अब एक बार फिर आशंका जताई जा रही है कि चीन का कार बाजार पीछे जा सकता है। फर्क बस इतना है कि इस बार चोट ज्यादा स्थानीय कार निर्माताओं को लग सकती है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दम पर आज बाजार पर हावी हैं। हालांकि, विदेशी कंपनियां भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेंगी, क्योंकि चीनी ब्रांड आक्रामक तरीके से विदेशों में विस्तार कर रहे हैं।

गिरावट के संकेत कितने गंभीर हैं? : चीन में मौजूदा गिरावट का पैमाना अभी पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन चेतावनी के संकेत साफ दिख रहे हैं। 2021 में दोबारा ग्रोथ की राह पर लौटने के बाद, पिछले साल चीन में कारों की सालाना बिक्री 2.38 करोड़ यूनिट्स तक पहुंची, जो 2024 के मुकाबले करीब 4 प्रतिशत ज्यादा थी। यह आंकड़े चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के हैं।

लेकिन साल की आखिरी तिमाही में हर महीने बिक्री पिछले साल से कम रही। उम्मीद है कि इस साल बिक्री स्थिर रहेगी, मगर सभी इतने आशावादी नहीं हैं। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि बिक्री में 5 से 9 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है।

और कौन-से संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं? : पिछले महीने चीन ऑटोमोबाइल निर्माता संघ ने अपना साप्ताहिक बिक्री डेटा जारी करने में देरी की, जिसे जानकार कमजोर आंकड़ों को लेकर बढ़ती बेचैनी का संकेत मान रहे हैं।

इसके अलावा, रिसर्च फर्म गावेकल का मानना है कि कई साल की तेज बढ़त के बाद इस साल ईवी की बिक्री में भी गिरावट देखी जा सकती है।

चीन के कार बाजार में सुस्ती क्यों आ रही है? : इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं। गावेकल के मुताबिक, 2024 के आखिर में पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर दी गई सब्सिडी के चलते ईवी की खरीद में तेज उछाल आया था। खासकर कंपनियों और सरकारी संस्थानों की तरफ से। लेकिन इस साल सब्सिडी कम होने से मांग पर दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, ईवी पर 5-10 प्रतिशत का नया खरीद टैक्स लगाया गया है। वहीं, डीलरों पर यह पाबंदी भी सख्त की गई है कि वे सिर्फ बिक्री आंकड़े बढ़ाने के लिए खुद गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें ÷जीरो-माइल÷ सेकेंड-हैंड कार बताकर निर्यात न करें। इन सभी वजहों से बिक्री के आंकड़े प्रभावित हो रहे हैं।

क्या कीमतों की जंग और तेज होगी? : जैसे-जैसे चीन का घरेलू बाजार सिकुड़ता है, वहां लंबे समय से चल रही प्राइस वॉर (कीमत की जंग) और तेज होने की आशंका है। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के चलते कंपनियां पहले से ही भारी छूट दे रही हैं।

इसी को देखते हुए सरकार ने हाल ही में डिस्काउंट पर लगाम लगाने की कोशिश की है। 12 फरवरी को चीन की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने नियम जारी कर कहा कि कंपनियां अब गाड़ियां निर्माण लागत से कम कीमत पर नहीं बेच सकेंगी। हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन नियमों को कितनी सख्ती से लागू किया जाएगा। विदेशी कार कंपनियों को उम्मीद है कि यह पहल सफल होगी, क्योंकि वे चीनी ब्रांड्स से कीमत के मोर्चे पर मुकाबला नहीं कर पा रही हैं।

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि 'फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी' है।

अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर 8 चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है।

अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था।

उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, 'बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो 6 रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी।' अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, 'ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।'

उन्होंने कहा कि इस तरह आउट होने से पहले ऐसा कोई डेटा नहीं है जो यह बताए कि ऑफ-स्पिनर उन्हें हमेशा परेशान करते हैं। कोच ने कहा, 'वह आम तौर पर ऑफ-स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा है।' हालांकि विकेटों का धीमा होना उनकी आउट होने का कारण बन सकता है क्योंकि उनके बल्ले की स्विंग बहुत तेज है, जिससे उन्हें तेज गेंदबाजों के मुफीद ट्रैक पर बहुत सफलता मिलती है।

अभिषेक के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत से यह पहला चरण हैं जहां उन्हें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यहीं पर बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का भूमिका अहम हो जाती है। अभिषेक के आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व को देखते हुए साफ लगता है कि वह कुछ निराशाओं से हिलने वाले नहीं हैं लेकिन उन्हें पता होगा कि भारत के टी20 विश्व कप अभियान का एक बड़ा हिस्सा उनकी शुरुआत पर निर्भर करता है।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया।

पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं। उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है। उन्होंने कहा, नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में आज होगा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में शनिवार को यहां पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पाक टीम बड़ी मुश्किल से सुपर-8 में पहुंची है और उसका लक्ष्य किसी प्रकार जीत दर्ज कर आगे की संभावनएं बनाये रखना रहेगा। वहीं कीवी टीम का प्रदर्शन उससे कहीं अच्छा रहा है और ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। आंकड़ों पर नजर डालें तो

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 49 मैच खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 24 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने 23 मैचों में जीत दर्ज की है।

पाक और न्यूजीलैंड ग्रुप स्तर में खेले 4 मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ सुपर-8 में पहुंची हैं। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान की अब तक अच्छी बल्लेबाजी कर पाये हैं। नामीबिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में फरहान ने शतकीय पारी खेली थी, ऐसे में पाक उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद करेगा। पाक के लिए समस्या यह रही है कि फरहान के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ टीम को सैम अयूब, बाबर आजम और कप्तान सलमान आगा

से बड़ी पारी खेलनी होगी। उसके बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला करना होगा जो आसान नहीं है। शादाब खान ने पहले दौर में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छी भूमिका निभाई। वहीं, उस्मान तारिक विकेट लेने के साथ-साथ काफी कसी गेंदबाजी करते रहे हैं। पाक टीम अधिक स्पिनरों के साथ उतरेगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन ग्रुप स्तर पर अच्छा रहा है। टिम साइफर्ट सहित उसके बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। सीफर्ट ने 4 मैचों में 173 रन बनाये हैं। कनाडा के खिलाफ 36 गेंदों में 76 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ग्लेन फिलिप्स भी फॉर्म में लौट चुके हैं।

मैट हेनरी और जैकब डफी की जोड़ी ने शुरुआती ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की है।

कोलंबो की पिच आमतौर पर धीमी रहती है। यहां पर स्पिनर्स को काफी सहायता मिलती है और गेंद थोड़ा फंसकर बल्ले पर आती है। यही कारण है कि कोलंबो के इस मैदान पर ज्यादा बड़े स्कोर नहीं लगते हैं। इस मैदान पर पहली पारी में औसतन स्कोर 144 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 129 रन है। इस मैच में बारिश की भी संभावना है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, बाबर आजम, ख्वाजा नफे, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) मोहम्मद नवाज/फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, अबरार अहमद

न्यूजीलैंडः मिशेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिशेल, जिमी नीशम, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं।शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं।शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है।ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे।वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये।

वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था।जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे।शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा।शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

जिम्बाब्वे के बेनेट ने टी20 विश्वकप में एक भी मैच में आउट नहीं होने का रिकार्ड बनाया

कोलंबो ।जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने इस इस टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है।बेनेट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस विश्वकप में एक बार भी आउट नहीं हुए हैं।जिम्बाब्वे के सुपर-8 में पहुंचने में बेनेट की अहम भूमिका रही है।अब तक इस विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम का कोई भी गेंदबाज उन्हें एक बार भी आउट नहीं कर पाया है।जिम्बाब्वे की अंतित ग्रुप मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत में बेनेट की 63 रनों की नाबाद पारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेनेट ने इस विश्व कप में तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाये हैं। तीनों ही मैच में वह नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था।उस मैच में भी उन्होंने 64 रनों की नाबाद पारी खेली थी।ओमान के खिलाफ मैच में भी वह 48 रन बनाकर नाबाद रहे थे। बेनेट अब तक विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी हैं।बेनेट ने इस विश्व कप में अब तक 3 मैच में 2 अर्धशतकों के साथ 175 रन बनाए हैं।तीनों ही मैच में वह नॉट आउट रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट 125 का है हालांकि वह इस विश्व कप में वह एक भी छक्का नहीं लगा पाये हैं।उनके नाम केवल 22 चौके जड़े हैं।उनसे ज्यादा चौके सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम के नाम हैं जिन्होंने इस विश्व कप में अब तक 24 चौके लगाए हैं।बेनेट के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 1771 रन हैं। इसमें 11 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 111 रन है और स्ट्राइक रेट 143.16 का है।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान : डोएशे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी। कोच के अनुसार

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद उसे जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है।

आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 में भारत ने लगाये हैं सबसे अधिक छक्के , एसोसिएट टीमों इटली और अमेरिका ने पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई ।आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार सबसे अधिक चौके, छक्के मारने वाली टीमें में भारतीय टीम पहले नंबर पर है।यहां अभी तक 20 टीमों में हुए 39 मुकाबलों में 1000 से अधिक चौके और 500 से ज्यादा छक्के लगे हैं।अभी तक सबसे अधिक छक्के लगाने वाली टीमों में भारत 40, इंग्लैंड- 36, वेस्टइंडीज- 36, अफगानिस्तान- 34 हैं।वहीं मजेदार बात ये है कि इटली और अमेरिका की टीमें छक्के मारने में पाकिस्तान से आगे हैं। भारत की ओर से 11 छक्के तो अकेले ईशान किशन ने ही लगाए हैं।बता दें, ईशान किशन टी20 विश्व कप 2026 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज हैं।उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने भी इतने ही छक्के लगाए हैं।इटली ने अफगानिस्तान के बराबर 34 छक्के लगाए।उनके आगे दो ही टीमें इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 36-36 सिक्स लगाए है।पाक टीम इस सूची में नौवें नंबर पर है पाक ने टी20 विश्व कप 2026 में कुल 28 सिक्स लगाए हैं।उनसे ज्यादा अमेरिका ने 33 छक्के लगाये हैं।

हाईकोर्ट ने सुशील कुमार की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली ।दिल्ली हाईकोर्ट ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है।इस मामले पर अगली सुनवाई 4 मई को होगी।इससे छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील की जमानत याचिका खारिज कर दी थी ।उसी फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है।सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।सागर हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई हुई थी।तब शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और एक सप्ताह के अंदर सरेंडर करने को कहा था।इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था।याचिका में सुशील को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी।गौरतलब है कि सुशील और अन्य लोगों पर 4 मई, 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर जानलेवा हमला करने के आरोप है।अक्टूबर 2022 में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे उनके मुकदमे की शुरुआत हुई थी।

उस्मान का गेंदबाजी एक्शन अनोखा लेकिन पाकिस्तान से मिलनी वाली चुनौती का अंदाजा :चैपमैन

कोलंबो (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने शनिवार को यहां खेले जाने वाले टी20 विश्व कप सुपर-आठ मुकाबले से पहले कहा कि पाकिस्तान के रहस्यमयी (अनोखे तरीके से गेंदबाजी करने वाले) स्पिनर उस्मान तारिक की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण से निपटने में उनकी टीम के लिए आपसी मुकाबलों का अनुभव अहम भूमिका निभाएगा।

सुपर-आठ चरण के ग्रुप-दो मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। अगस्त 2024 से अब तक न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे और टी20 प्रारूपों में कुल 20 द्विपक्षीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। चैपमैन का मानना है कि इन मैचों ने उनकी टीम को पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है।

चैपमैन ने कहा, 'उस्मान तारिक का एक अलग तरह का एक्शन है, खासकर क्रीज पर रुककर गेंदबाजी करने का अंदाज अनोखा है और इसे ध्यान में रखना होगा। पाकिस्तान के पास उनके अलाव भी कई बेहतरीन स्पिनर है हर स्पिनर अपनी अलग चुनौती पेश करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान उन टीमों में से एक है जिसके खिलाफ हमने सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। हमें अच्छी तरह अंदाजा है कि वे किसी तरह की चुनौती पेश करेंगे। हमारे लिए अहम यह है कि हम एक टीम के रूप में अपनी रणनीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहें।'

चैपमैन ने यह भी स्वीकार किया कि श्रीलंका की पिचें भारत की तुलना में धीमी हैं, ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। भारत में खासकर लाल मिट्टी वाली पिचों पर बल्लेबाजों को काफी मदद मिली है और यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल रहा है। आपने कई मुकाबलों में नियमित रूप से 200 के आसपास के स्कोर बनते देखे हैं। गेंदबाजों के सामने निश्चित रूप से चुनौती रही है। लेकिन यहां की पिचें थोड़ी धीमी हैं, जिससे गेंदबाजो को अपने कौशल दिखाने का बेहतर मौका मिल सकता है।'

उन्होंने संकेत दिया कि यहां स्पिन की भूमिका अधिक अहम हो सकती है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि यहां स्पिन ज्यादा असर डाले। फिलहाल हमें पिच को देखकर ही अंतिम आकलन करना होगा। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने उम्मीद जताई कि सुपर-8 के सभी मुकाबले कोलंबो में खेले जाने से न्यूजीलैंड को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे टूर्नामेंटों में लगातार अलग-अलग मैदानों पर खेलना और परिस्थितियों के मुताबिक ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन यहां तीनों मैच एक ही स्थल पर खेलने से हम हर मुकाबले के साथ बेहतर सीख हासिल कर पाएंगे। एक ही मैदान और लगभग समान पिचों पर खेलना हमारे लिए सकारात्मक है। यह ऐसी चीज है जिसकी हम शिकायत नहीं करना चाहेंगे।'

चैपमैन ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर की फिटनेस को लेकर चिताओं को दूर किया। सेंटनर अस्वस्थता के कारण कनाडा के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा, 'मिच सेंटनर पूरी तरह स्वस्थ नजर आ रहे हैं और मैदान पर वापसी को लेकर उत्साहित हैं। अंतिम समय में अगर कोई दिक्कत नहीं हुई तो वे उपलब्ध रहेंगे। लॉकी फर्ग्यूसन पितृत्व अवकाश पर टीम से अलग हुए थे। वह वापसी की राह पर है और जल्द ही कोलंबो पहुंच सकते हैं। यह देखना होगा कि लंबी उड़ान के बाद उनकी स्थिति कैसी रहती है।'

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे पर जीत हासिल की, सेल्टिक हारा

लंदन ।नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की।फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया।वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली।विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वतः ही अंतिम 16 में पहुंच गई जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी।दूसरा चरण अगले बृहस्पतिवार को होना है।

आरबीआई के ड्रॉफ्ट नियमों से गिफ्ट सिटी में बढ़ेगा बैंकों का रुझान

- प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में एक मसौदा जारी किया है, जिसके तहत अधिकृत डीलर (एडी) बैंकों को रुपये में नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट (एनडीडीसी) करने की अनुमति मिलेगी। यह सुविधा केवल उन बैंकों को मिलेगी, जिनकी इकाई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग यूनिट आईबीयू में संचालित होती है। कॉन्ट्रैक्ट सीधे या विदेशी शाखाओं के माध्यम से बैक-टू-बैक आधार पर किए जा सकते हैं, और निपटान रुपये या किसी विदेशी मुद्रा में नकद रूप में किया जा सकता है। सिंघानिया एंड कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि मसौदे का मुख्य उद्देश्य आईएफएससी में कामकाज बढ़ाना है। केवल आईएफएससी में संचालन करने वाले बैंकों को ही एनडीडीसी की अनुमति मिलने से गिफ्ट सिटी में वित्तीय गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी और विदेशी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा के अंतर को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। ओटीसी लेनदेन में बाजार निर्माण और मालिकाना पदों को शामिल करना, गैर-बैंक संस्थाओं के साथ एनडीडीसी में प्रवेश की अनुमति, और अपतटीय ईटीपी ट्रेडिंग में स्पष्टता विशेषज्ञों के लिए विशेष रूप से स्वागत योग्य है। आरबीआई ने अधिकृत डीलरों को नियामक सुरक्षा उपायों के तहत विदेशी मुद्रा और ब्याज दर डेरिवेटिव का अपतटीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) पर लेनदेन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम भारत के फॉरेक्स बाजार के बढ़ते उदारीकरण और` गिफ्ट सिटी को एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आईडीएस रिफंड में कारोबारियों को दी बड़ी राहत

कोर्ट ने कहा, इनपुट और आउटपुट समान होने से आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता

नई दिल्ली ।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 12 दिसंबर 2025 को साउथ इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के खिलाफ जीएसटी रिफंड खारिज करने के आदेशों को रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इनपुट और आउटपुट समान होने के कारण आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता। सीजीएसटी कानून की धारा 54(3)(2) के तहत यह रिफंड दिया जाना चाहिए। इस फैसले से खासतौर पर उन कारोबारियों को फायदा मिलेगा जिनके व्यवसाय में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी)जमा होता है। इसमें शामिल हैं- खाद्य तेल निर्माता और वितरक, पेट्रोलियम वितरण कंपनियां, गैस सिलिंडर भरने वाले उद्योग और पैकेजिंग पर अधिक खर्च वाले एफएमसीजी कारोबार। वहीं एक अप्रत्यक्ष कर पार्टनर के अनुसार अब करदाता इस फैसले का आधार लेकर अपने आईडीएस रिफंड दावों की रक्षा कर सकते हैं। विभाग पहले इनपुट और आउटपुट समान होने का हवाला देकर रिफंड से इनकार कर देता था। यह फैसला इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। एक उदाहरण में सूरजमुखी, राइस ब्रान और पाम ऑयल को छोटे पैक (250 मिलीलीटर से 5 लीटर) में बेचने पर उत्पाद पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि पैकिंग सामग्री पर ज्यादा दर होती है। इससे आईटीसी जमा होता है और आईडीएस स्थिति बनती है। अब विभाग इस

आधार पर रिफंड नहीं रोक सकेगा। इस फैसले से जीएसटी रिफंड की लंबित प्रक्रिया में स्पष्टता और राहत मिलेगी। आईडीएस रिफंड की दिशा में यह करदाताओं के लिए एक बड़ा समर्थन साबित होगा।

ईपीएफओ जीईएम और जीएसटी डेटा के जरिए अनुपालन निगरानी कर रहा है मजबूत

आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी अनुपालन निगरानी और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों के डेटाबेस के साथ इंटीग्रेशन शुरू किया है। सरकारी अधिकारी के अनुसार ईपीएफओ वर्तमान में 2024 और 2025 के लिए जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) से प्राप्त वन-टाइम डेटा डंप की जांच कर रहा है।

नवंबर 2025 में ईपीएफओ ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन जीईएम के साथ समझौता किया। जीईएम एक ऑनलाइन सरकारी खरीद मंच है, जहां केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें पीएसयू और स्वायत्त निकाय वस्तुएं और सेवाएं खरीद सकते हैं। इस समझौते का उद्देश्य सेवा प्रदाताओं द्वारा भविष्य निधि योगदान का मासिक सत्यापन सुनिश्चित करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय और राजस्व विभाग के पत्राचार के बाद जीएसटी विभाग भी संस्थानों का रजिस्ट्रेशन डेटा साझा करने के लिए सहमत हो गया। इससे ईपीएफओ को यह जानने में मदद मिलेगी कि पीएमवीबीआरवाय योजना के लाभार्थी संस्थान सही तरीके से योगदान दे रहे हैं। ईपीएफओ अपने अनुपालन तंत्र का विस्तार राज्य स्तर तक कर रहा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ पेरोल डेटा साझा किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में है, जबकि अन्य राज्यों से विवरण का इंतजार है। ईपीएफओ 99,446 करोड़ रुपये की पीएमवीबीआरवाय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। योजना लाभ के लिए संस्थानों को जीएसटीएन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जीईएम और जीएसएटी डेटा का आदान-प्रदान योजना के सही और पारदर्शी कार्यान्वयन में मदद करेगा।

आईटी शेयरों में एआई के डर से भारी बिकवाली, निफ्टी आईटी में गिरावट

- फरवरी में एफपीआई ने आईटी सेक्टर से 10,956 करोड़ निकाले

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी शेयरों में फरवरी के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 10,956 करोड़ रुपये की बिकवाली की। कुल मिलाकर, इस दौरान दलाल पथ पर 29,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, लेकिन आईटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स इस महीने अब तक 15 फीसदी गिर चुका है, जो मार्च 2020 के बाद का सबसे खराब मासिक प्रदर्शन है। कोफोर्ज के शेयरों में सबसे ज्यादा 17.7 फीसदी की गिरावट आई, इसके बाद एलटीआई माइंडट्री 17 फीसदी और इन्फोसिस 16.5 फीसदी टूटे। जबकि बेंचमार्क निफ्टी-50 1.2 फीसदी बढ़ा। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक फंडों ने आईटी के अलावा एफएमसीजी और हेल्थकेयर में करीब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं वित्तीय सेवाओं और पूंजीगत वस्तुओं में सबसे अधिक निवेश आया। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई से पारंपरिक आईटी सेवाओं के बिजनेस मॉडल को गंभीर खतरा महसूस किया जा रहा है। स्टार्टअप एंथ्रोपिक द्वारा नए एआई टूल के लॉन्च ने निवेशकों के डर को और बढ़ा दिया। विश्लेषकों ने अपने डीसीएफ मॉडल में आय अनुमानों में कटौती की, जिससे आईटी शेयरों के पीई अनुपात घटे।

एआई समाधान अपनाने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करें: अधिकारी

डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना हो सकता है जोखिमपूर्ण

नई दिल्ली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन प्रभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी संस्थानों को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधानों के प्रति अत्यधिक उत्साहित नहीं होना चाहिए जब तक उनका पूर्ण परीक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित न हो। उन्होंने कनाडा के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि समान 'प्रॉम्प्ट' दिए जाने पर भी एआई विभिन्न तरीकों से डेटा का विश्लेषण कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि सरकारी विभागों को अपने आंकड़ों को मशीन-रीडेबल प्रारूप में तैयार करना चाहिए। इसके लिए डेटा में कॉन्टेक्स्ट फाइल, सिमैंटिक्स और मेटाडेटा होना जरूरी है। कॉन्टेक्स्ट फाइल जानकारी को सही संदर्भ में समझने में मदद करती है, सिमैंटिक्स डेटा के अर्थ और संदर्भ को स्पष्ट करता है, और मेटाडेटा अतिरिक्त जानकारी जैसे स्रोत, तारीख और संरचना प्रदान करता है। अधिकारी ने सुझाव दिया कि मंत्रालयों और सरकारी विभागों के पास डेटा का कैटलॉग होना चाहिए। सभी फाइलें केवल पीडीएफ में नहीं बल्कि मशीन-रीडेबल फॉर्मेट में होनी चाहिए ताकि एआई उनका सही उपयोग कर सके। गूगल के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी वैश्विक डेटा सेट को साझा 'नॉलेज ग्राफ' में लाकर डेटा सर्च इंजन बनाने का प्रयास करती है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसके बजाय, डेटा को प्रत्येक संगठन के पास सुरक्षित और स्थानीय स्तर पर संचालित किया जाना चाहिए।

इस वित्तीय वर्ष में उभरते बाजारों में मिलेंगे निवेश के अवसर: रिपोर्ट

- भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, 2026 में आय बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । गोल्डमैन सैक्स ऐसेट मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में उभरते बाजार (ईएम) निवेशक के लिए तीन प्रमुख थीम पेश कर सकते हैं- एआई -नेतृत्व वाला नवाचार, चीन का संरचनात्मक विकास, और भारत में चक्रीय सुधार। अनुकूल वित्तीय परिस्थितियां और आर्थिक सुधार इन बाजारों की मजबूती को बढ़ा सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार से टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में अवसर बन रहे हैं। चीन और ताइवान जैसे देशों को डेटा सेंटर, क्लाउड और ऑटोमेशन में निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। चाइना में रियल एस्टेट पर निर्भरता कम करने और हाई-टेक व ग्रीन एनर्जी क्षेत्रों को बढ़ावा देने के प्रयास जारी हैं। ये पहल निवेशकों को लंबी अवधि के लिए आकर्षक अवसर दे सकती हैं। भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, लेकिन 2026 में आय में 14 फीसदी वृद्धि का अनुमान है, जो ईएम औसत 10 फीसदी से अधिक है।

ओमनीटेक इंजीनियरिंग 583 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

- मूल्य दायरा 216-227 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग घटक निर्माता ओमनीटेक इंजीनियरिंग ने 583 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 216-227 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 25 फरवरी से खुलकर 27 फरवरी को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 24 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ 583 करोड़ रुपए का है, जिसमें 418 करोड़ रुपए नए शेयरों के माध्यम से जुटाए जाएंगे और 165 करोड़ रुपए के शेयर बिक्री प्रस्ताव के तहत बेचे जाएंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, दो नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ओमनीटेक के शेयर 5 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। नई इकाइयों और वित्तीय मजबूती के साथ, कंपनी को वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। निवेशक बाजार उतार-चढ़ाव और निर्माण लागत पर नजर रखकर निवेश कर सकते हैं। ओमनीटेक का यह आईपीओ निवेशकों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आ रहा है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह कंपनी के विस्तार और उद्योग में स्थिति मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम है।

केकेआर ने जताई भारतीय बाजार में बड़े बदलाव की संभावना

- भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया

नई दिल्ली । निजी इक्विटी फर्म केकेआर का मानना है कि भारत के इक्विटी और निजी बाजारों में बड़े बदलाव का समय आ सकता है। रिपोर्ट 'थॉट्स फ्रॉम द रोड' में एक मुख्य निवेश अधिकारी ने कहा कि वैश्विक निवेशक पिछले कई वर्षों में भारतीय इक्विटी में सबसे कम अंडरवेट रहे हैं, जबकि अमेरिकी बाजारों में अधिक निवेश बनाए रखा है। उन्होंने निवेशकों को चेतावनी दी कि जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखते हैं, उनके लिए यह बदलाव का समय महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है। भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच अपना सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया। कमजोर प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारण हैं मुद्रा की कमजोरी, धीमी आय वृद्धि और डर कि एआई देश के आईटी सेवा मॉडल को प्रभावित कर सकता है। हाल की यात्रा में मुंबई और दिल्ली में निवेशक धारणा पिछली यात्राओं की तुलना में शांत रही। जेनरेटिव एआई और ऑटोमेशन के तेजी से अपनाने से भारत के श्रम-केंद्रित आईटी आउटसोर्सिंग सेक्टर में बदलाव आया है। वित्त वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में शीर्ष पांच आईटी फर्मों ने केवल 17 कर्मचारी जोड़े, जबकि पिछले साल इसी समय लगभग 18,000 कर्मचारी जुड़े थे। इसका कारण एआई-आधारित डिलिवरी मॉडल से राजस्व और हायरिंग तालमेल में बदलाव बताया गया। 2025 में भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से कमजोर प्रदर्शन किया, लेकिन विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 2020 के लगभग 60 अरब डॉलर के स्तर से बढ़ा।

कोयला मंत्रालय ने खदान संचालन तेज करने प्रस्तावित किया संशोधन

नई दिल्ली । भारत के कोयला मंत्रालय ने खदानों के परिचालन को तेज करने के लिए सीएमडीपीए और सीबीडीपीए समझौतों में समय-सीमा और दक्षता मापदंडों में संशोधन का मसौदा तैयार किया है। प्रस्ताव का उद्देश्य खदान खोलने और उत्पादन शुरू करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना है। मसौदे में स्ट्रक्चर्ड माइलस्टोन तय किए गए हैं- पूरी तरह खोजी गई खदान के लिए कुल परिचालन समय-सीमा~ 40 महीने और आंशिक रूप से खोजी गई खदान के लिए कुल समय-सीमा 52 महीने, जिसमें भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य है। प्रमुख माइलस्टोन में देरी प्रदर्शन सुरक्षा को प्रभावित करती है। आंशिक रूप से खोजी गई खदानों में यदि जीआर तैयार करने में देरी होती है, तो प्रदर्शन सुरक्षा का 50 फीसदी तक कम्युलेटिव एप्रोप्रिएशन हो सकता है।

सोना और चांदी फिर निवेशकों की नजर में

इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली । सोने की कीमत ने हाल ही में लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर बनाया था, लेकिन इसके बाद लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई। अब कीमतें 5,000 डॉलर के करीब स्थिर हैं। सिल्वर भी निवेशकों के फोकस में है और 133 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बुल मार्केट के दौरान इस तरह के तेज करेक्शन सामान्य होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सोना इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है। सिल्वर की मांग सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल मेटल भी है। सप्लाई लंबे समय से डिमांड से कम बनी हुई है, जिससे कीमतों में तेज उछाल संभव है। वैश्विक कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 350 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। केंद्रीय बैंक भविष्य में ब्याज दरों में कटौती और क्वांटिटेटिव ईजिंग कर सकते हैं। इससे डॉलर पर दबाव बढ़ेगा और करेंसी सप्लाई बढ़ेगी, जो सोने के लिए सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, माइनिंग कंपनियों के शेयर अभी तक उच्च धातु कीमतों को पूरी तरह वैल्यूएशन में शामिल नहीं कर पाए हैं। यदि कीमतों में तेजी बनी रहती है, तो माइनिंग स्टॉक्स में तेज रैली देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 316, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार उछाल के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ये बढ़त पीएसयू बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी से आई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक उछलकर 25,571.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी के अलावा निफ्टी के सभी इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण एशियाई बाजारों से कमजोर संकेत मिले जिससे आज बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा।

व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे ज्यादा निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.68 फीसदी वहीं निफ्टी मेटल में 1.25 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो में 0.41 फीसदी का उछाल आया, निफ्टी एफएमसीजी में 0.56 फीसदी की तेजी, निफ्टी बैंक में 0.71 फीसदी की बढ़त देखी गयी जबकि निफ्टी आईटी में 0.98 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी जबकि 8 शेयरों में गिरावट रही। एनटीपीसी, एलएंडटी, एचयूएल, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और

बीईएल के शेयरों में 2.7 फीसदी तक की बढ़त रही और ये सबसे अधिक नुकसान में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 82,272 अंक पर गिरावट के साथ खुला। इसी तरह निफ्टी 50 25,406 अंक पर कमजोर शुरुआत के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से निवेशक सतर्क नजर आये। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में कहा कि ईरान के पास अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए 10 से 15 दिन का समय है। इस बयान से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है।

एआई के लाभ सभी तक पहुंचाने में अमेरिका-भारत साझेदारी की अहम भूमिका: पिचाई

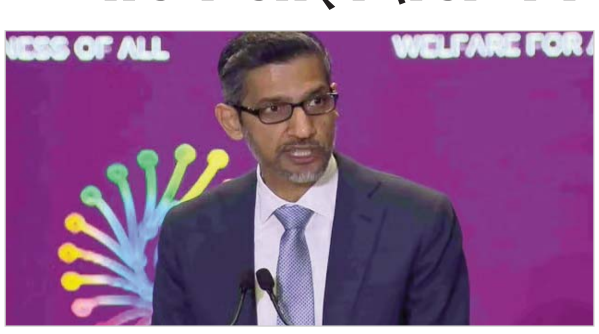

गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर कर रही सहयोग

नई दिल्ली ।

गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत साझेदारी कृत्रिम मेधा (एआई) के लाभ सभी लोगों और हर स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह बयान उन्होंने एआई इम्पैक्ट समिट में भारत और अमेरिका द्वारा पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर से पहले दिया। पिचाई ने कहा कि गूगल दोनों देशों के बीच रूपक और वास्तविक रूप से संपर्क सेतु के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया कि गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में कुछ सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर सहयोग कर रही हैं, जिससे उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। भारत से शुरू हुए नवाचार जैसे गूगल पे ने वैश्विक स्तर पर उपयोगकर्ताओं के अनुभव में सुधार किया है। पिचाई ने कहा, हमें गर्व है कि हमारी पहलें स्थानीय नवाचार को वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान कर रही हैं। पिचाई ने भारत के एआई क्षेत्र की प्रगति को असाधारण** बताते हुए कहा कि गूगल पूरी प्रतिबद्धता के साथ उत्पादों के विस्तार और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इसका समर्थन कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि एआई के लाभ तभी प्रभावी होंगे जब वे समान रूप से सभी लोगों और हर क्षेत्र तक पहुंचें।

भारत में डेटा सेंटर निवेश, 2030 तक 200 अरब डॉलर का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

एक ऑडिट और सलाहकार फर्म ने कहा है कि भारत अगले चार वर्षों में डेटा सेंटर निर्माण में लगभग 200 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा। यह निवेश एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में किए जाने वाले 800 अरब डॉलर के कुल निवेश का बड़ा हिस्सा है। कंपनी का अनुमान है कि 2030 तक भारत में 8-10 गीगावॉट की नई डेटा सेंटर क्षमता का निर्माण होगा। यह निवेश भारत और पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा आर्थिक अवसर है। डेटा सेंटरों में निवेश से स्थानीय रोजगार, तकनीकी विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि डेटा सेंटरों के विकास के लिए पर्याप्त और स्थिर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। भारत का बढ़ता हुआ नवीकरणीय ऊर्जा आधार इस प्रक्रिया को मदद करेगा, लेकिन उच्च विकास वाले क्षेत्रों में ग्रिड स्थिरता, सीमित सबस्टेशन क्षमता और लंबी ट्रांसमिशन अपग्रेड समयसीमा प्रमुख बाधाएं हो सकती हैं। भारत तेजी से एशिया-पैसिफिक का डेटा सेंटर हब बन रहा है। हालांकि विकास के लिए ऊर्जा उत्पादन और ग्रिड स्थिरता को सुनिश्चित करना होगा, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और रणनीतिक निवेश से यह क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में आर्थिक और डिजिटल रूप से मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है।

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने महीप कपूर को दी नई पहचान

नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने अभिनेता संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर को ऐसी पहचान दी, जो केवल संजय कपूर की पत्नी या सोनम कपूर की चाची तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 1982 में जन्मी और ऑस्ट्रेलिया में पली-बढ़ी महीप ने बॉलीवुड में कदम एक अभिनेत्री के तौर पर रखा था। महिप कपूर का बेबाक, नो-फिल्टर अंदाज और परिवार के प्रति समर्पण ने उन्हें दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने 1994 में फिल्म 'निगम' में काम किया था, लेकिन यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। अभिनय से दूरी बनाने के बाद उन्होंने अपने करियर को नया मोड़ देते हुए ज्वेलरी डिजाइनिंग में कदम रखा और 'सत्यानी फाइन ज्वेल्स' के लिए ऐसे डिजाइन तैयार किए, जिन्हें बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने अपनाया। महीप और संजय कपूर की शादी 1997 में हुई थी। बाहर से उनका रिश्ता एक खुशहाल फैमिली की तस्वीर जैसा दिखता था, लेकिन असलियत इससे अलग थी। 'बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीजन में महीप ने अपनी निजी जिंदगी का वह दर्दनाक सच साझा किया, जिससे दर्शक अनजान थे। उन्होंने बताया कि शादी के शुरुआती सालों में संजय कपूर ने उन्हें धोखा दिया था। जब उनकी बेटी शनाया कपूर छोटी थीं, तब संजय का किसी और महिला से संबंध था। इस खुलासे ने फैंस को हैरान कर दिया। महीप ने यह भी बताया कि अफेयर की जानकारी मिलते ही वह बेटी को लेकर घर से निकल गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने संजय को माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला अपने बच्चों शनाया और जहान के लिए लिया और अपनी शादी को एक और मौका देने का निर्णय सही साबित हुआ, क्योंकि आज दोनों एक मजबूत रिश्ता साझा कर रहे हैं। महीप कपूर को लोग अक्सर 'मामा बियर' कहकर पुकारते हैं। वह अपनी बेटी शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर हमेशा प्रोटेक्टिव रही हैं। सोशल मीडिया पर भी वह अपने बच्चों के साथ बिताए गए पलों को साझा करती रहती हैं, जिससे साफ पता चलता है कि परिवार उनकी प्राथमिकता है। शनाया अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं, और महीप का समर्थन हर कदम पर उनके साथ दिखता है। ज्वेलरी डिजाइनर के रूप में सफलता हासिल करने के बाद महीप आज एक डिजिटल इन्फ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार के रूप में भी लोकप्रिय हैं।

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है: अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है और एक्टर्स के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। अभिषेक बच्चन ने एआई को लेकर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि वह इस तकनीक के साथ बहुत कम्फर्टेबल नहीं हैं। उनके मुताबिक, एआई भविष्य में क्रिएटिव फील्ड में बड़े बदलाव ला सकता है और अगर इसे सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया तो इससे एक्टर्स के अवसरों पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के सहारे एनिमेशन, स्पेशल इफेक्ट्स और तकनीकी प्रक्रियाएँ आसान हो जाएंगी, जिससे फिल्म निर्माण का समय और बजट दोनों कम होंगे। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक्टिंग जैसे मानवीय कला के क्षेत्र में एआई कभी भी उस 'जान' को नहीं ला सकता, जो किसी कलाकार की आत्मा से निकलकर पर्दे पर दिखाई देती है। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने कई एआई से तैयार चीज़ें देखी हैं जो देखने में बेहद आकर्षक और परफेक्ट लगती हैं, लेकिन उनमें मानवीय भावनाओं की गर्माहट और असलियत नहीं होती। उनका मानना है कि कलाकार की आत्मा, उसकी कमियाँ और उसकी अनूठी अभिव्यक्ति ही उसे खास बनाती हैं, और यही बात एआई कभी हासिल नहीं कर सकता।

वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में शिवांगी वर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेत्री के एपिसोड का टाइटल 'मिडनाइट ब्राइड' है, जिसमें उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया है। बातचीत में शिवांगी ने बताया कि 'हसरतें' पहले से ही बेहद लोकप्रिय सीरीज है और वे इसकी फैन रही हैं। ऐसे में जब उन्हें 'सीजन 3' का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो उनके लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज के लिए चुना और मुझ पर भरोसा दिखाया। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में बताया कि यह उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल उलट है। असल जीवन में वे काफी मॉडर्न, फैशनेबल और स्टाइलिश हैं, जबकि शो में वे एक ऐसी विधवा बनी हैं जिन्हें समाज की रूढ़िवादी अपेक्षाओं के साथ दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'समाज में अक्सर विधवा महिलाओं पर मेकअप न करने, रंगीन कपड़े न पहनने और साधारण रहने जैसे कई दबाव डाल दिए जाते हैं। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि सादगी में भी अलग तरह की खूबसूरती होती है।' शिवांगी बताती हैं कि शूटिंग के दौरान उन्होंने पूरा प्रयास किया कि किरदार की भावनाओं और उसकी परिस्थितियों को सही तरह से दर्शाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद इस रोल ने उन्हें काफी कुछ सिखाया। शो के प्रसारण के बाद उन्हें हर तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे वे अपने करियर का बड़ा सम्मान मानती हैं। अपने काम के प्रति गंभीर रहने वाली शिवांगी कहती हैं कि उनके लिए कहानी सबसे अधिक मायने रखती है। यदि स्क्रिप्ट भावनाओं से जुड़ी हो और उन्हें बतौर अभिनेत्री चमकने का मौका दे, तो वे पूरी समर्पण के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छी कहानी हो तो मैं बाकी चीजों को भूल जाती हूं। मैं खासकर महिला-केंद्रित किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं, क्योंकि ऐसे रोल में भावनाओं और अभिव्यक्ति के कई आयाम होते हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए शिवांगी ने बताया कि उन्हें रोमांटिक थ्रिलर करने की काफी इच्छा है। इसके अलावा यदि कोई दमदार बायोपिक का प्रस्ताव मिलता है, तो वह भी वे जरूर करना चाहेंगी।

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं : श्वेता त्रिपाठी

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त जरिया भी है। यह कहना है अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का। इसी सोच के साथ उन्होंने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम और यह एक संवेदनशील क्वीर प्रेम कहानी है, जिसके इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता स्वयं भी अभिनय कर रही हैं। प्रोडक्शन की दुनिया में यह श्वेता का पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले वे क्वीर विषय पर आधारित थिएटर प्ले कॉक को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट के ओलिवर अवॉर्ड जीत चुके ड्रामा पर आधारित है। यह नाटक देश के कई शहरों में प्रदर्शित हुआ था और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। श्वेता कहती हैं कि यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर निर्णय नहीं, बल्कि निजी स्तर पर भी जुड़ा हुआ कदम है। उन्होंने कहा, 'अगर समाज में बदलाव चाहिए, तो पहल खुद से करनी होती है। महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियां हमेशा रही हैं, लेकिन उन्हें वह स्थान और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और बनाने का मौका मिला है, तो मैं इसे सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं।' श्वेता का मानना है कि क्वीर कहानियों को असरदार बनाने के लिए उन्हें सनसनीखेज होने की जरूरत नहीं

होती। कई बार ये कहानियां बेहद सरल, कोमल और दैनिक जीवन से जुड़ी होती हैं, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक जगह बनाए रखती हैं। श्वेता आगे कहती हैं कि उन्हें वह रास्ता अब साफ दिखाई देता है, जिस पर वे आगे बढ़ना चाहती हैं महिलाओं की कहानियों को मंच देना, क्वीर आवाज़ों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदारी बनाए रखना। उनके अनुसार यही उनके लिए एक कलाकार के रूप में अपनापन और उद्देश्य दोनों का भाव पैदा करता है। अभिनेत्री जल्द ही दर्शकों के सामने एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ होने वाली हैं। वे मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु और रसिका दुग्गल सहित कई पुराने और नए कलाकार दिखाई देंगे। बता दें कि अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियों को मुख्यधारा में मजबूत जगह दिलाने के लिए प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं।

इमेज को लेकर सजग थी, इसीलिए ठुकराए कई ऑफर: रवीना टंडन

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपने ग्लैमरस अंदाज़ से लेकर निजी जीवन तक सुर्खियों में रही हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के ऐसे फैसलों पर बात की है, जो आज भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। रवीना ने खुलासा किया कि उन्होंने निर्माता-निर्देशक करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कुछ कुछ होता है और सुपरस्टार शाहरुख खान के आइकॉनिक गाने छैंया छैंया को करने से इनकार कर दिया था और इसके पीछे की वजहें दिलचस्प हैं। रवीना ने बताया कि 90 के दशक में उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट ऑफर होते थे, लेकिन वह अपनी इमेज को लेकर बेहद सजग थीं। फिल्म कुछ कुछ होता है में टीना का रोल, जिसे बाद में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने निभाया, पहले रवीना को ऑफर हुआ था। लेकिन रवीना ने यह रोल ठुकरा दिया क्योंकि वह अपने दौर की दूसरी बड़ी स्टार काजोल के अपोजिट सेकंड लीड निभाना नहीं चाहती थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने करण जौहर से साफ कहा 'काजोल मेरी ही जनरेशन की हैं, मैं उनके पीछे खड़ी नहीं हो सकती।' रवीना ने हंसते हुए कहा कि करण जौहर आज भी मजाक में इस बात की शिकायत करते हैं कि उन्होंने उनकी पहली फिल्म ठुकरा दी थी। हालांकि यह रोल रानी मुखर्जी के करियर का टर्निंग प्वाइंट बन गया और फिल्म आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। इसके अलावा, रवीना ने फिल्म दिल से के मशहूर गाने छैंया छैंया, जिसमें बाद में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा दिखीं, को भी करने से मना कर दिया था। उन्हें डर था कि 'शहर की लड़की' जैसे सुपरहिट गाने के बाद उन्हें इंडस्ट्री में 'आइटम सॉन्ग गर्ल' का टैग न दे दिया जाए। उस दौर में एक्ट्रेसेस के लिए स्टीरियोटाइप होना आसान था, इसलिए उन्होंने गाना छोड़ दिया। रवीना का कहना है कि उन्हें अपने निर्णयों पर कोई पछतावा नहीं है क्योंकि हर अभिनेता अपने करियर को अपनी समझ से दिशा देता है। दिलचस्प बात यह है कि जिन अवसरों को उन्होंने छोड़ा, वे रानी मुखर्जी और मलाइका अरोड़ा के लिए माइलस्टोन साबित हुए।

फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर फराह ने किया बड़ा खुलासा

अपनी सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक बड़ा खुलासा किया है। उनके मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान के अपोजिट निभाया गया चांदनी का आइकॉनिक रोल शुरुआत में सुष्मिता सेन को नहीं, बल्कि अभिनेत्री समीरा रेडडी को ऑफर किया जाना था।
फराह ने यह राज अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत के दौरान खोला। फराह ने बताया कि उन्होंने समीरा को पहली बार 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था, जहां इंडियन ट्रेडिशनल लुक में उनकी खूबसूरती ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। उस समय फराह को लगा कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल समीरा के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह सुनकर समीरा भी हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में पूछा कि फिर उन्हें कास्ट क्यों नहीं किया गया। इसके जवाब में फराह ने बताया कि समीरा के करियर की दिशा उस समय बदल चुकी थी, क्योंकि वह सोहेल खान के साथ अपनी डेब्यू फिल्म 'मैने दिल तुझको दिया' कर चुकी थीं। इस फिल्म के कारण उनकी स्क्रीन इमेज और प्रोजेक्ट्स अलग दिशा में जा रहे थे, जिसके चलते 'मैं हूं ना' के लिए सुष्मिता सेन को चुनना पड़ा। फराह ने साफ कहा कि समीरा उनकी पहली पसंद थीं, लेकिन उस समय परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं रहीं। समीरा रेड्डी ने इस खुलासे पर खुशी तो जताई, लेकिन थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अफसोस है क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी और इस फिल्म ने सुष्मिता सेन की लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई दी। फिल्म में सुष्मिता द्वारा निभाया गया चांदनी का ग्लैमरस साड़ी लुक आज भी दर्शकों के बीच बेहद मशहूर है। फिल्म रिलीज़ के बाद यह फराह खान के निर्देशन करियर की धमाकेदार शुरुआत साबित हुई। दूसरी ओर, समीरा रेड्डी 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'नो एंट्री' और 'रेस' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन बाद में उन्होंने मेनस्ट्रीम सिनेमा से दूरी बना ली।

बदले हुए लुक को लेकर सुर्खियों में राजकुमार राव

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव एक शॉर्ट फिल्म के इवेंट में नजर आए, जहां रेड कार्पेट पर उनका अंदाज देखकर पैपराज़ी भी दंग रह गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही राजकुमार राव की ताजा तस्वीरों और वीडियो में बदले हुए लुक में नजर आ रहे है। राजकुमार राव का वजन बढ़ा हुआ दिखता है, हेयरलाइन बदली हुई नजर आ रही है और उनकी पूरी पर्सनैलिटी में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उनके इस नए लुक ने फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी कि कहीं उनकी तबीयत तो खराब नहीं, लेकिन धीरे-धीरे असली वजह सामने आ गई है। एक्टर के करीबी सूत्र ने बताया कि राजकुमार राव पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनके लुक में आया यह बदलाव जानबूझकर किया गया है। सूत्र के अनुसार, वे अपनी अगली बायोपिक 'निकम' के लिए यह भारी-भरकम रूप लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के किरदार के लिए उन्होंने काफी वजन बढ़ाया है क्योंकि वे अपनी उम्र से काफी बड़े एक जाने-माने व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और राजकुमार राव इस समय दोबारा वजन कम करने की प्रक्रिया में हैं। जानकारी के अनुसार, यह बायोपिक भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में गांगुली की क्रिकेट यात्रा, शुरुआती संघर्ष, कप्तान के रूप में उनके फैसले और भारतीय क्रिकेट के बदलाव में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया जाएगा।

'बैटल ऑफ गलवान' ने असली सैनिकों की सीरीज की जारी

'बैटल ऑफ गलवान' फ़िल्म के मेकर्स ने असली आर्मी वेटरन्स और उनके परिवारों की कहानियों से जुड़ी एक विशेष वीडियो सीरीज जारी की है, जो उन खामोश ताकतों को सम्मान देती है, जो हर सैनिक के पीछे चुपचाप खड़ी रहती हैं। इन वीडियो को साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि 'बैटल ऑफगलवान' उन परिवारों को सलाम करता है जिन्होंने हर पोस्टिंग, हर विदाई और हर वापसी को अपने दिल से जिया है। पहले वीडियो में तीसरी गोरखा राइफ़ल्स के कर्नल महीप सिंह चड्ढा की बेटी मिसेज गानवी चड्ढा नज़र आती हैं। कर्नल चड्ढा 1965 और 1971 की जंग में शामिल रहे थे। मिसेज चड्ढा याद करती हैं कि कैसे उनके पति फ़ील्ड एरिया में तैनात रहते थे और उनसे बात करने के लिए लोकल एक्सचेंज के जरिए कॉल बुक करनी पड़ती थी, जिसमें पूरा प्रोटोकॉल निभाना होता था।
वह बताती हैं कि परिवार उन्हें कितना याद करता था, खासकर उनका पसंदीदा खाना बनाते समय। जब वह छुट्टी लेकर घर लौटते थे, तो वही खाना साथ बैठकर खाने में एक अलग ही खुशी होती थी। दूसरे वीडियो में 16 बिहार रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा (रिटायर्ड) की पत्नी मिसेज सविंदर मनचंदा उन तनाव भरी यादों को साझा करती हैं, जब उनके पति की यूनिट को अरुणाचल प्रदेश के वांगचुक जनजाति वाले क्षेत्र में भेजा गया था। वह बताती हैं कि उस इलाके में लगातार खतरा बना रहता था। टेलीफोन लाइनें बहुत दूर थीं और आवाज भी साफ नहीं आती थी, लेकिन किसी भी तरह पति की आवाज सुन लेना उनके लिए बड़ा सुकून था। तीसरे वीडियो में खुद रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा दिखाई देते हैं, जिन्होंने 1972 से 2003 तक देश की सेवा की। वह अपने 32 साल के आर्मी सफर को जिंदगी का सबसे अनमोल हिस्सा बताते हैं। गलवान घाटी के संघर्ष समेत कई कठिन ऑपरेशन्स को याद करते हुए उन्होंने भारतीय सेना और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन भावुक और प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से सलमान खान फिल्म्स न सिर्फसैनिकों की बहादुरी को सम्मान दे रहा है, बल्कि उन परिवारों की कुर्बानियों को भी सलाम कर रहा है, जो हर वर्दी के पीछे की असल ताकत होते हैं। सलमा खान के प्रोडक्शन और अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'बैटल ऑफ गलवान' बहादुरी, बलिदान और मानवीय रिश्तों की गहराई को दर्शाने की कोशिश करती है। चित्रांगदा सिंह भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो कहानी को और प्रभावशाली बनाती है। बता दें कि 'बैटल ऑफगलवान' के टीज़र को मिली दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया के बाद सलमान खान फ़िल्म्स लगातार देशभक्ति की भावना को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में रिलीज़ हुए इसके गाने 'मातृभूमि' और 'मैं हूँ' ने लोगों के दिलों में जोश और भावनाओं का एक नया उभार पैदा किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in